www.tamsasanket.com
वर्ष: 05 || अंक 328 || लखनऊ
मंगलवार
03 मार्च 2026 || पृष्ठ: 04 || मूल्य: ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदय: 06:29
सूर्यास्त: 06:08
अधिकतम: 32°00
न्यूनतम: 16°00

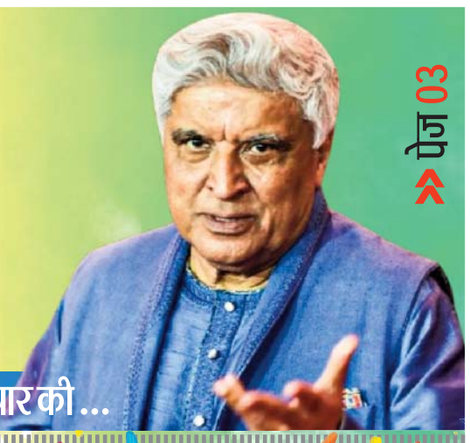

पेज 03

विशेष समाचार: होली के रंगों में घुलता बंधुता का... >> पेज 02 | एटीएस अधिकारी बनकर 90... >>पेज 04 | अमेरिका, इजराइल ने अब हद पार की...

पीएम मोदी और कार्नी की मुलाकात के बाद करार, डिफेंस और एनर्जी सेक्टर में सहयोग करेंगे दोनों देश

भारत को यूरेनियम देगा कनाडा

बातचीत

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी और कनाडाई PM मार्क कार्नी के बीच सोमवार सुबह हैदराबाद हाउस में मुलाकात हुई। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा- भारत और कनाडा के बीच निवेश-ट्रेड डील पर बातचीत हुई है। सिविल न्यूक्लियर एनर्जी में, हमने यूरेनियम की दीर्घकालिक आपूर्ति के लिए एक ऐतिहासिक समझौता किया है।

दोनों देशों के बीच कई क्षेत्रों के लिए एमओयू किया गया है। इससे दोनों देशों में रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। इसके अलावा, हम छोटे मॉड्यूलर रिएक्टरों और उन्नत रिएक्टर प्रौद्योगिकियों के विकास पर सहयोग करेंगे। कृषि, कृषि प्रौद्योगिकी और खाद्य सुरक्षा में मूल्यवर्धन करना भी हमारे लक्ष्यों में शामिल है।

पीएम ने पश्चिम एशिया में ईरान वार को लेकर कहा- पश्चिम एशिया में तनाव से भारत चिंतित है। भारत विश्व में शांति और स्थिरता चाहता है। वहीं करीब 3 लाख (लगभग 3.03 लाख) लोग पाकिस्तानी मूल के हैं।हर समस्या का समाधान बातचीत के जरिए निकाला जाना चाहिए। इसी उद्देश्य से हमने आज भारत-कनाडा रक्षा संवाद स्थापित करने का निर्णय लिया है।

> कनाडा दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा यूरेनियम उत्पादक देश है। भारत और कनाडा के बीच न्यूक्लियर कोऑपरेशन एग्रीमेंट 2013 में लागू हुआ था, जिसके बाद कनाडा ने भारत को यूरेनियम सप्लाई शुरू की थी। भारत अपने तेजी से बढ़ते परमाणु ऊर्जा क्षेत्र के लिए और अधिक यूरेनियम खरीदना चाहता है। वैश्विक शांति और स्थिरता के लिए इन खतरों से निपटने में हमारा घनिष्ठ सहयोग आवश्यक है। विभिन्न मौजूदा मुद्दों पर भारत का रुख स्पष्ट है।

पीएम ने आगे कहा- हम इस बात से सहमत हैं कि आतंकवाद, उग्रवाद और कट्टरता न केवल हमारे दोनों देशों बल्कि पूरी मानवता के सामने गंभीर चुनौतियां हैं। वैश्विक शांति और स्थिरता के लिए इन खतरों से निपटने में हमारा घनिष्ठ सहयोग आवश्यक है। विभिन्न मौजूदा मुद्दों पर भारत का रुख स्पष्ट है।

- प्रधानमंत्री मोदी ने नई दिल्ली स्थित हैदराबाद हाउस में कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी से मुलाकात की।
- उद्योगपति मुकेश अंबानी के साथ कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी।
- रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के चेयरमैन मुकेश अंबानी, उनकी पत्नी और बेटे नीता और अनंत ने रविवार को मुंबई स्थित अपने आवास पर कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी और उनकी पत्नी डायना फॉक्स कार्नी की मेजबानी की।

10 साल का यूरेनियम सप्लाई समझौता

PM कार्नी के इस दौरे का सबसे बड़ा मकसद भारत-कनाडा के बीच 10 साल का यूरेनियम सप्लाई समझौता है। बताया जा रहा है कि यह डील करीब 3 अरब डॉलर की हो सकती है। जस्टिन ट्रूडो के पद से हटने और मार्क कार्नी के प्रधानमंत्री बनने (मार्च 2025) के बाद दोनों देशों ने रिश्ते सुधारने की कोशिश की। भारत में भारत -कनाडा पल्स प्रोटीन उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किया जाएगा। रक्षा एवं सुरक्षा क्षेत्र में बढ़ता सहयोग हमारे गहरे आपसी विश्वास और परिपक्व संबंधों का प्रतीक है। हम रक्षा उद्योगों, समुद्री क्षेत्र जागरूकता और सैन्य आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के लिए काम करेंगे।

कनाडा में हर चौथा व्यक्ति विदेशी मूल का

कनाडा दुनिया के उन देशों में है जहां प्रवासियों (इमिग्रेंट) की संख्या तेजी से बढ़ी है। 2021 की आधिकारिक जनगणना के मुताबिक, कनाडा में लगभग 83.6 लाख (8.3 मिलियन) लोग विदेश में जन्मे हैं, जो देश की कुल आबादी का करीब 23% है। यह आंकड़ा स्टैटिस्टिक्स कनाडा ने जारी किया है।

एक्सपर्ट्स का कहना है कि कनाडा की अर्थव्यवस्था और जनसंख्या वृद्धि में प्रवासियों का खास रोल रही है, लेकिन हाल के सालों में इस मुद्दे पर बहस भी तेज हुई है। भारतीय विदेश मंत्रायल के मुताबिक, कनाडा में भारतीय मूल के लगभग 16 लाख लोग रहते हैं। वहीं करीब 3 लाख (लगभग 3.03 लाख) लोग पाकिस्तानी मूल के हैं।

निज्जर की हत्या के बाद रिश्ते खराब हुए

साल 2023 में सिख अलगाववादी नेता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद दोनों देशों के बीच रिश्ते खराब हो गए थे। कनाडा ने निज्जर की हत्या को लेकर भारत पर आरोप लगाए गए थे। कनाडा के तत्कालीन पीएम जस्टिन ट्रूडो ने संसद में कहा कि कनाडाई सुरक्षा एजेंसियों को सबूत मिले हैं कि भारतीय सरकार के एजेंट इस हत्या में शामिल हो सकते हैं। उन्होंने इसे कनाडा की संप्रभुता पर हमला बताया था। भारत ने इन आरोपों को सख्ती से खारिज किया था। भारत का कहना था कि कनाडा में खालिस्तानी चरमपंथी और आतंकवादी खुलेआम सक्रिय हैं, जो भारत के खिलाफ गतिविधियां चलाते हैं और कनाडा उन पर कार्रवाई नहीं करता। इसके बाद दोनों देशों ने एक-दूसरे के कई राजनयिकों को निष्कासित कर दिया। भारत ने कनाडाई नागरिकों के लिए वीजा सेवाएं अस्थायी रूप से रोक दीं। कनाडा ने भी भारत से व्यापार मिशन रद्द कर दिए, और दोनों तरफ से यात्रा सलाह जारी की गई। बातचीत लगभग बंद हो गई और CEPA जैसी महत्वपूर्ण चर्चाएं ठप पड़ गईं।

भारत में निवेश को बढ़ावा दे रहा कनाडा

भारत इस समय दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। कनाडा के सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, दोनों देशों के बीच सालाना व्यापार 21 अरब डॉलर से ज्यादा है। भारत में 600 से ज्यादा कनाडाई कंपनियां काम कर रही हैं। भारत से कनाडा को मुख्य निर्यात में दवाइयां, रत्न-आभूषण और समुद्री उत्पाद शामिल हैं। कनाडा के बड़े पेंशन फंड पहले से ही भारत में रियल एस्टेट और लॉजिस्टिक्स जैसे क्षेत्रों में बड़ा निवेश कर चुके हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, उन्होंने भारत में 100 बिलियन डॉलर (करीब 8 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा) का निवेश किया है। अब कनाडा इस निवेश को और बढ़ाना चाहता है। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी का कहना है कि दोनों देशों के बीच कभी-कभी राजनीतिक मतभेद रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद कनाडा भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था का भरोसेमंद साझेदार बना रहेगा।

सुप्रीम लीडर खामेनेई की पत्नी की भी मौत

अमेरिका और इजराइल के हमले में घायल हुई थीं

निधन

तमसा संकेत, एजेंसी

तेल अवीव/तेहरान। इजराइल-अमेरिका और ईरान जंग का आज तीसरा दिन है। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के 2 दिन बाद उनकी पत्नी मंसूरेह खोझस्तेह बघेरजादेह का भी निधन हो गया है। मंसूरेह दो दिन पहले अमेरिका और इजराइल के हमले में घायल हुई थीं। इसी हमले में खामेनेई मारे गए थे। ईरान की सरकारी मीडिया ने पुष्टि की है कि मंसूरेह ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। युद्ध के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अपने पुराने सहयोगी ब्रिटेन पर नाराजगी जताई है। दरअसल ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर ने अमेरिका को हिंद महासागर में मौजूद अपना मिलिट्री बेस डिएगो गॉर्सिया देने में देर की। अमेरिका जंग के पहले दिन ही इस बेस से ईरान पर हमला करना चाहता था। लेकिन ब्रिटेन ने 48 घंटे बाद इसकी इजाजत दी और कहा कि अमेरिका को यहां से सिर्फ ईरान के मिसाइल ठिकानों को निशाना बनाने की परमिशन होगी। इसे लेकर ट्रम्प ने कहा है कि वे ब्रिटिश पीएम से बेहद निराश है। ईरान ने सोमवार को मिडिल-ईस्ट के 4 देशों में 6 अमेरिकी बेस पर हमला किया है। कुवैत में अमेरिका के कई फाइटर जेट क्रैश हो गए है। जेट हवा में गोल-गोल घूमने के थोड़ी देर बाद जमीन से टकरा गए। हालांकि, इसमें किसी मौत की नहीं हुई है। दूसरी ओर ईरान के टॉप नेशनल सिक्योरिटी अधिकारी अली लारीजानी ने सोमवार को कहा कि ईरान अमेरिका से कोई बातचीत नहीं करेगा।

>> (शेष पेज 04 पर)

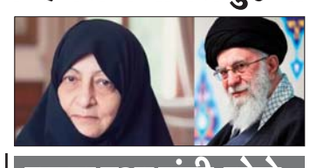

यूएस रक्षा मंत्री बोले- ईरान ऑपरेशन की टाइमलाइन तय नहीं

अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने कहा है कि ईरान में चल रहे अमेरिकी सैन्य अभियान की कोई तय समय-सीमा नहीं है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा कि ऑपरेशन दो हफ्ते, चार हफ्ते या छह हफ्ते तक चल सकता है और इसकी अवधि परिस्थितियों के अनुसार बढ़ या घट सकती है।

फास्ट न्यूज

अजित पवार के बेटे ने वीडियो शेयर किया

मुंबई। महाराष्ट्र के पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार के बेटे जय पवार ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर कर VSR वेंचर्स की उड़ानों को तुरंत रोकने की मांग की। 28 जनवरी 2026 को इसी कंपनी के प्लेन क्रैश में जय के पिता अजित पवार का निधन हुआ था। जय पवार ने वीडियो शेयर कर लिखा- मैंने अपने पिता को खो दिया है।

महाराष्ट्र के पालघर में केमिकल-प्लांट से ओलियम गैस का रिसाव

पालघर। महाराष्ट्र के पालघर जिले में स्थित एक केमिकल प्लांट में सोमवार दोपहर करीब 2 बजे ओलियम गैस का रिसाव हुआ है। अधिकारियों ने बताया कि सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड, एनडीआरएफ और आपात-कालीन की कई टीमें मौके पर पहुंचीं। रेस्क्यू टीमें प्लांट से गैस रिसाव रोकने की कोशिश में लगी हैं। प्रशासन ने एहतियात के तौर पर इलाके से करीब 2600 लोगों को सुरक्षित जगहों पर शिफ्ट किया है। फिलहाल घटना में किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं मिली है। पालघर के एसपी यतीश देशमुख ने बताया- बोइसर स्थित भगेरिया केमिकल्स कंपनी में सोमवार दोपहर 2 बजे ओलियम गैस लीक होने की सूचना मिली।

अवकाश की सूचना

होली के शुभ अवसर पर 'तमसा संकेत' के सुधी पाठकों, विज्ञापन दाता व समाचार पत्र वितरक बंधुओं और प्रदेशवासियों को ढेरों शुभकामनाएं।

03 मार्च 2026 से 04 मार्च 2026 तक होली के पर्व पर अवकाश के कारण तमसा संकेत कार्यालय बंद रहेगा।
अतः अगला अंक 06 मार्च 2026 शुक्रवार को प्रकाशित होगा।
-संपादक

एआई जेनरेटेड सबूतों पर फैसला लेना बिल्कुल गलत : सुप्रीम कोर्ट

इसका सीधा असर न्याय प्रक्रिया पर पड़ता है, बार काउंसिल ऑफ इंडिया को नोटिस

सुनवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली/विजयवाड़ा। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार आंध्र प्रदेश हाइकोर्ट के फैसले के खिलाफ याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस(AI) की मदद से बनाए गए सबूतों पर फैसला लिखना गलत काम है। कोर्ट ने कहा कि ये कोई गलती से होने वाला काम नहीं है। जस्टिस पी एस नरसिम्हा और आलोक अराधे की बेंच ने कहा कि इसके नतीजों और जवाबदेही की जांच करना चाहते हैं क्योंकि इसका सीधा असर फैसले की प्रक्रिया की ईमानदारी पर पड़ता है। कोर्ट ने इस मामले में अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी, सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और बार काउंसिल ऑफ इंडिया को नोटिस जारी किया है। दरअसल, पिछले

साल अगस्त में आंध्र प्रदेश की एक ट्रायल कोर्ट ने विवादित प्रॉपर्टी के केस में AI से बनी तस्वीर के आधार पर फैसला दिया था। फैसले के खिलाफ आंध्र प्रदेश हाइकोर्ट में याचिका दायर की गई थी। इसी साल जनवरी में हाइकोर्ट ने भी याचिका खारिज कर दी थी। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट में अपील की गई। बेंच पिटीशन पर सुनवाई के लिए सहमत हो गई और उस पर नोटिस जारी किया। कोर्ट ने कहा, स्पेशल लीव पिटीशन का निपटारा होने तक, हम निर्देश देते हैं।

>> (शेष पेज 04 पर)

रवि किशन तो नाच-गाकर कमा लेंगे : योगी

सांसद का जवाब- हमारे सीएम आए हैं, रंग बरसे भीगे चुनर वाली...गाना ही बजाना

कार्यक्रम

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर। सीएम योगी सोमवार को होलिका दहन उत्सव में शामिल होने गोरखपुर पहुंचे हैं। उनके पहुंचने पर लोगों ने जय श्रीराम के नारे लगाए। पांडेयहाता में होने वाले कार्यक्रम में योगी का सवा क्विंटल फूलों की पंखुड़ियों से स्वागत किया गया। सीएम के रास्ते में गुलाब की पंखुड़ियां बिछाई गईं। सीएम योगी ने भक्त प्रह्लाद और होलिका की आरती उतारी। इसके बाद योगी ने सांसद रवि किशन की चुटकी ली। कहा- रवि किशन तो कहीं भी नाच-गाकर पैसा कमा सकते हैं। लेकिन कालीबाड़ी वाले बाबा कहां से कमाएंगे? जब व्यापार होगा, तभी उनकी आय होगी। पहले दूर-दूर से लोग आते थे। लेकिन सब गालियां सकरी हो गईं तो व्यापार कम हो गया। विकास नीचे से ऊपर जाता है। इससे पहले सांसद रवि किशन ने कहा- हमारे सीएम जापान और सिंगापुर से डेढ़ लाख करोड़ लेकर आए हैं। हम डीजे वाले से कहेंगे कि अब तो सिर्फ रंग बरसे भीगे चुनर वाली गाना ही बजेगा। लौंग इलाइची का बीड़ा लगाना। कब बजाइएबे रे। सीएम योगी ने कहा- उस समय हिरण्यकश्यप माफिया व आतंकवाद के रूप में रह होगा। भगवान विष्णु के नरसिंह अवतार ने उसका वध किया था। उस समय के समाज को सही दिशा दी थी।

अब पूरे प्रदेश में उत्सव, पहले कर्फ्यू लगता था- योगी

योगी ने कहा- मैं जब आया तो कालीबाड़ी के बाबा से पूछा कि पाण्डेयहाता कहां है, उन्होंने बताया यही है। मुझे लगा कि कहीं ये डोसा खिलाने तो नहीं ले जा रहे। हालांकि उन्होंने कभी खिलाया नहीं। मैंने केवल सुना है। इस गलियारे से जो जाएगा गर्व का अनुभव करेगा।

माफियागिरी जब भी होगी वे सभी हिरण्यकश्यप की तरह हैं। वे प्यार से नहीं मानेंगे क्योंकि लातों के भूत बातों से नहीं मानते।

सीएम ने रवि किशन की चुटकी ली

सीएम योगी ने कहा- रवि किशन तो कहीं नाच गाकर पैसा कमा सकते हैं, लेकिन कालीबाड़ी वाले बाबा कहां से कमाएंगे। जब व्यापार होगा तभी उनकी आय होगी। पहले दूर दूर से लोग आते थे। लेकिन सब गालियां सकरी हो गई तो व्यापार कम हो गया। विकास नीचे से ऊपर जाता है।

होली के गाने गाएं, अग्नि की पूजा करें, अश्लील गाने न हों- सीएम योगी

सीएम ने कहा- मैं प्रदेश वासियों से अपील करूंगा कि हम होलिका दहन के साथ अहंकार, नकारात्मकता, भ्रष्टाचार को जलाएं। होलिका दहन किसी के प्रतिष्ठान के सामने, घर के सामने नहीं होना चाहिए। उत्साह का आनद तभी होता है, जब हर व्यक्ति बिना किसी भय के आनंद ले सके। होली के गाने गाएं, अग्नि की पूजा करें। अश्लील गाने न हों। जब भी किसी गाने में अश्लीलता होती है, तो वह पतन की ओर के जाता है।

विवाद : अभी उन्हें वोटर लिस्ट से बाहर किया, सत्ता में आने पर राज्य से बाहर करेंगे

ममता ने बंगाल को घुसपैठियों का स्वर्ग बनाया : अमित शाह

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बंगाल में एक सभा में कहा कि राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बंगाल को घुसपैठियों का स्वर्ग बना दिया है। उन्होंने कहा कि एक बार BJP की सरकार बन जाए, तो हम बंगाल से हर घुसपैठिए की पहचान करके उसे निकाल देंगे। शाह ने आगे कहा कि अभी वोटर रोल से सिर्फ घुसपैठियों के नाम हटाए जा रहे हैं, अमित शाह ने सोमवार को पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले में भारतीय जनता पार्टी(BJP) की परिवर्तन यात्रा को संबोधित करने के दौरान ये बातें कहीं। इसका अंत कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में एक बड़ी रैली में होगा, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संबोधित करेंगे।

>> (शेष पेज 04 पर)

परिवर्तन यात्रा में 5000 किमी का सफर

परिवर्तन यात्रा 2026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों से पहले एक बड़ा राज्यव्यापी कैंपेन है। यह 5,000 किमी से ज्यादा का सफर तय करेगा, और 282 छोटी सभाएं शामिल हैं। अब सोनार बांग्ला को फिर से बनाने का समय आ गया है।

अमित शाह की स्पीच की बड़ी बातें...

- हिंदू शरणार्थियों की नागरिकता नहीं छीनी जाएगी। ममता बनर्जी की सरकार सीमाओं की सुरक्षा करने में नाकाम रही है। BJP के सत्ता में आने पर घुसपैठ और भ्रष्टाचार दोनों रुकेंगे।
- ममता मंदिरों के उद्घाटन में व्यस्त थीं, जबकि राज्य में मस्जिद बनने दी जा रही थी। TMC नेता हुमायूं कबीर की बाबरी मस्जिद की तर्ज पर मस्जिद बनाने की कोशिश एक साजिश का हिस्सा थी।
- BJP ने राज्य में बदलाव लाने के लिए परिवर्तन यात्रा शुरू की है। परिवर्तन का मतलब सिर्फ मुख्यमंत्री बदलना नहीं, बल्कि बंगाल को घुसपैठ से मुक्त करना, TMC सरकार हटाकर BJP सरकार बनाना है।
- पूरे पश्चिम बंगाल में कुल 9 परिवर्तन यात्राएं निकाली जा रही हैं। चार यात्राएं पहले ही शुरू हो चुकी हैं और बाकी अलग-अलग जिलों से शुरू होंगी।
- दशकों के कम्युनिस्ट शासन और फिर TMC सरकार के कारण बंगाल की स्थिति खराब हुई है। अब सोनार बांग्ला को फिर से बनाने का समय आ गया है।

एआई समिट में शर्टलेस प्रदर्शन-यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को जमानत

दिल्ली कोर्ट बोली- नारे भड़काऊ नहीं थे, लोगों को डराने का सबूत नहीं

- भारत मंडपम में आयोजित एआई समिट में 20 फरवरी को यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया था।
- पुलिस शर्टलेस प्रदर्शन के बाद आरोपियों को गिरफ्तार कर ले गई थी।

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने AI समिट में शर्टलेस विरोध प्रदर्शन के मामले में गिरफ्तार इंडियन यूथ कांग्रेस (IYC) के नौ कार्यकर्ताओं को सोमवार को जमानत दे दी है। कोर्ट ने कहा कि यह प्रदर्शन सिर्फ सरकार की आलोचना करने का तरीका था। इसलिए मुकदमा शुरू होने से पहले किसी को जेल में रखना कानून के मूल सिद्धांतों के खिलाफ होगा। कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि प्रदर्शन के समय लगाए गए नारे भड़काऊ नहीं थे। उनमें कोई धार्मिक या क्षेत्रीय रंग नहीं था। किसी तरह की तोड़फोड़ या लोगों को डराने का भी कोई सबूत नहीं मिला। कोर्ट ने यह भी बताया कि प्रदर्शन करने वालों को सुरक्षा के साथ बाहर ले जाया गया था। कोर्ट ने कहा- आजादी अधिकार है और जेल केवल खास स्थिति में होनी चाहिए। अगर ट्रायल से पहले किसी को बिना जरूरी कारण के जेल में रखा जाए तो यह बिना सजा तय हुए ही सजा देने जैसा होगा। पटियाला हाउस कोर्ट के न्यायिक मजिस्ट्रेट (फर्स्ट क्लास) रवि ने कृष्ण हरि, नरसिंह यादव, कुंदन कुमार यादव, अजय कुमार सिंह, जितेंद्र सिंह यादव, राजा गुर्जर, अजय कुमार विमल उर्फ बंटू, सौरभ सिंह और अरबाज खान की जमानत याचिकाओं पर सुनवाई के बाद यह आदेश पारित किया। दिल्ली पुलिस ने कहा कि आरोपी, जो इंडियन यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ता हैं।

>> (शेष पेज 04 पर)

सम्पादकीय

अनिश्चितता से घिरा ईरान, पूरी दुनिया पर पड़ेगा असर

इजरायल-अमेरिका की संयुक्त सैन्य कार्रवाई में ईरान के सर्वोच्च शासक एवं मजहबी नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के बाद वहां नेतृत्व परिवर्तन तो हो गया, लेकिन यह कहना कठिन है कि सत्ता परिवर्तन भी हो जाएगा, जो कि अमेरिकी राष्ट्रपति का लक्ष्य है। एक तो ईरान वेनेजुएला नहीं है और न ही वहां शासन एवं सेना को नियंत्रित करने वाले तंत्र में फिलहाल किसी असहमति और विद्रोह के आसार दिख रहे हैं। इसका प्रमाण यह है कि खामेनेई के स्थान पर अंतरिम नेतृत्व के नाम की घोषणा कर दी गई है एवं ईरानी सेना और विशेष रूप से रिवोल्यूशनरी गाड्र्स के कमांडर इजरायल-अमेरिका के हमले का जवाब देने के साथ ही खामेनेई की मौत का बदला लेने की धमकी भी दे रहे हैं। ईरानी सेना जिस तरह इजरायल को निशाना बनाने के साथ सऊदी अरब, कतर, जार्डन, ओमान, बहरीन, कुवैत, संयुक्त अरब अमीरात आदि जगह अमेरिकी सैन्य ठिकानों के साथ नागरिक क्षेत्रों को निशाना बना रही है, उससे यही स्पष्ट होता है कि वह आसानी से हार नहीं मानने वाली। ईरानी सेना ने जिस तरह पड़ोसी देशों में नागरिक ठिकानों पर भी हमले किए, उससे पश्चिम एशिया में तनाव और बढ़ेगा। इसका असर भारत समेत पूरी दुनिया पर पड़ेगा, क्योंकि यह क्षेत्र विश्व को ऊर्जा की आपूर्ति का बड़ा स्रोत है। ईरानी सेना के प्रतिरोध के बावजूद तथ्य यही है कि वह इजरायल और अमेरिका की सैन्य क्षमता का लंबे समय तक सामना नहीं कर सकती। इस पर आश्चर्य नहीं कि खामेनेई की मौत के बाद जहां आम तौर पर शिया जगत में आक्रोश है, वहीं ईरान में जनता का एक वर्ग खुश है। इसका कारण यही है कि करीब 40 वर्षों से सत्ता पर काबिज रहने के दौरान उन्होंने निरंकुशता से शासन किया और अपने लोगों पर कठोर मजहबी मान्यताएं थोपीं। इसके अतिरिक्त उन्होंने हिजबुल्ला, हमास एवं हाउती जैसे संगठनों की हर तरह से मदद की। इससे इजरायल और अमेरिका का ईरान से का बैर बढ़ा। इसमें संदेह नहीं कि ईरान पर इजरायल और अमेरिका का हमला वैध नहीं यह हमला कुल मिलाकर अमेरिका की मनमानी का ही परिचायक है, लेकिन जो स्थिति बनी उसके लिए ईरानी सत्ता की हठधर्मिता भी उत्तरदायी है। ईरान येन-केन -प्रकारेण परमाणु हथियार बनाने की जुगत में लगा हुआ था। यदि ईरानी सत्ता ने परमाणु हथियार कार्यक्रम को लेकर अड़ियल रुख का परिचय नहीं दिया होता तो संभवतः कूटनीतिक वार्ताओं के माध्यम से कोई हल निकल सकता था। कहना कठिन है कि ईरान का भविष्य क्या है, लेकिन इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि एक समय आधुनिकता का वरण करने वाला यह देश पुरातनपंथी मजहबी कट्टरता में जकड़ गया था और इसी कारण ईरानी जनता के एक वर्ग के साथ पश्चिमी जगत में ईरानी शासन के प्रति विरोध बढ़ता जा रहा था।

विकसित छत्तीसगढ़ का स्वप्न, भाजपा सरकार गठन का तीसरा साल

छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार गठन के तीसरे वर्ष में प्रवेश कर चुकी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विधानसभा चुनाव 2023 में जनता ने हम पर जो भरोसा जताया, उसे पूरा करने के लिए हमने जिस राजनीतिक प्रतिबद्धता के साथ कार्य किया, उससे प्रदेश के प्रत्येक नागरिक के जीवन स्तर में बदलाव देखा जा सकता है। गरीब, किसान, महिलाएं, जनजातीय समाज का कल्याण सर्वोच्च प्राथमिकता में है। हमने सरकार बनने के दूसरे ही दिन कैबिनेट की बैठक में 'मोदी की गारंटी' के अनुरूप 18 लाख से अधिक जरूरतमंद परिवारों को प्रधानमंत्री आवास की स्वीकृति का निर्णय लिया। पीएम आवास से जुड़ी फाइल को जब हमारी कैबिनेट स्वीकृति दे रही थी, वह पल मेरे लिए अत्यंत भावुकता से भरा था। हम अंत्योदय के जिस विचार को लेकर आगे बढ़ते हैं, उसे साकार होते देखना प्रेरणादायी है। छत्तीसगढ़ देश की इकोनमी का इंजन है। बावजूद इसके माओवाद ने हमारी विकास यात्रा को काफी बाधित किया था। अब हम इसको जड़ से उखाड़ फेंकने के करीब हैं। ऊर्जा आत्मनिर्भरता : प्रधानमंत्री के ऊर्जा आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को पूरा करने में छत्तीसगढ़ की अहम भूमिका है। अभी हमारा राज्य विद्युत उत्पादन में देश में दूसरे स्थान पर है, जबकि वर्ष 2030 तक हम पहले स्थान पर आ जाएंगे। हमारे राज्य की कुल भूमि का 44 प्रतिशत वन क्षेत्र है, जो हमें फारेस्ट इकोनमी के असीमित अवसर प्रदान करता है। राज्य निर्माण के समय हमारी अर्थव्यवस्था का हिस्सा खनन उद्योग में ही केंद्रित था, लेकिन अब हम खाद्य प्रसंस्करण से लेकर सेवा और आइटी जैसे नए क्षेत्रों को प्रोत्साहित कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ पहला राज्य है, जहां लिथियम ब्लाक की सफलतापूर्वक नीलामी की गई है। सेमीकंडक्टर कारखाना और एआइ डाटा सेंटर पार्क ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था के प्रवेश द्वार बनेंगे। नई औद्योगिक नीति के जरिए इंडस्ट्री फ्रेंडली नीतियां लेकर आए हैं। अब राज्य में उद्योग लगाने वाले लोगों को सरकारी विभागों से मंजूरी के लिए चक्कर काटने की जरूरत नहीं है।

विष्णु देव साय

होली के रंगों में घुलता बंधुता का संदेशः जाति-धर्म से परे संवैधानिक मूल्यों का संकल्प

> जब रंगों के साथ दिल भी मिलेंगे, तभी होली का वास्तविक अर्थ पूर्ण होगा। तभी यह पर्व केवल उत्सव नहीं, बल्कि एक मजबूत, समरस और संवैधानिक भारत की ओर बढ़ता हुआ कदम बनेगा।

फाल्गुन का महीना आते ही हवा में एक अलग-सी उमंग घुलने लगती है। खेतों में पकती फसल, गांवों की चौपालों पर गूंजते फाग और शहरों की गलियों में सजती रंग-गुलाल की दुकानें—सब मिलकर संकेत देते हैं कि होली का पर्व आ गया है। परंतु होली केवल रंगों और उल्लास का उत्सव नहीं है, यह समाज को आत्ममंथन का अवसर भी देता है। यह वह क्षण है जब हम अपने भीतर और अपने आसपास फैली दूरियों को पहचानकर उन्हें मिटाने का संकल्प ले सकते हैं। भारत की आत्मा उसकी विविधता में बसती है। यहां अनेक धर्म, भाषाएं, संस्कृतियां और परंपराएं साथ-साथ सांस लेती हैं। लेकिन यह भी एक सच्चाई है कि समय-समय पर जाति, धर्म और संकीर्ण पहचान के आधार पर समाज में दरारें उभरती रही हैं। ऐसे में होली का त्योहार हमें याद दिलाता है कि रंगों की तरह ही हमारी पहचानें भी अलग-अलग हो सकती हैं, परंतु उनका उद्देश्य एक सुंदर और समरस चित्र बनाना है। हमारे संविधान की प्रस्तावना में "न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुता" का जो संकल्प दर्ज है, वह केवल शब्दों का अलंकार नहीं बल्कि भारतीय लोकतंत्र की आत्मा है। बंधुता का अर्थ है—एक-दूसरे को अपना मानना, सम्मान देना और साझा भविष्य की कल्पना करना। यदि समाज में भाईचारा कमजोर होगा, तो समानता और न्याय भी अधूरे रह जाएंगे। इसलिए होली का पर्व हमें संवैधानिक मूल्यों को जीवन में उतारने का अवसर देता है। आज के दौर में जब सामाजिक और राजनीतिक विमर्श कई बार विभाजन-कारी रेखाएं खींचता दिखाई देता है, तब होली का संदेश और भी प्रासंगिक हो जाता है। यह पर्व कहता है कि मतभेद स्वाभाविक हैं, पर मनभेद घातक। लोकतंत्र में विचारों की विविधता शक्ति है, कमजोरी नहीं। परंतु जब विचारों का अंतर वैमनस्य में बदल जाता है, तब समाज का ताना-बाना कमजोर होने लगता है। ऐसे समय में रंगों का यह उत्सव हमें संवाद, सहिष्णुता और सहभागिता का मार्ग दिखाता है। ग्रामीण भारत में होली अक्सर सामाजिक मेल-मिलाप का माध्यम बनती है। चौपाल पर बैठकर गाए जाने वाले फाग केवल गीत नहीं होते, वे सामूहिकता की धुन होते हैं। शहरों में भी मोहल्लों और कॉलोनियों में लोग एक-दूसरे के घर जाकर रंग लगाते हैं। यह परंपरा हमें सिखाती है कि पड़ोसी केवल भौगोलिक निकटता नहीं, बल्कि सामाजिक रिश्ते का नाम है। यदि हम इस भावना को वर्षभर बनाए रखें, तो समाज में अविश्वास की जगह विश्वास पनप सकता है। हालांकि यह भी आवश्यक है कि हम होली के उत्सव को जिम्मेदारी और संवेदनशीलता के साथ मनाएं। किसी पर जबरन रंग डालना, अशालीन व्यवहार करना या किसी की धार्मिक-सांस्कृतिक भावनाओं को ठेस पहुंचाना, होली की भावना के विपरीत है। बंधुता का अर्थ यह नहीं कि हम दूसरों की सहमति और गरिमा की अनदेखी करें। असली भाईचारा वही है जिसमें सम्मान और मर्यादा दोनों शामिल हों। स्कूलों, कॉलेजों और सामाजिक संगठनों को भी इस अवसर का उपयोग संवैधानिक चेतना के प्रसार के लिए करना चाहिए। यदि होली के कार्यक्रमों में संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन हो, सामाजिक समानता पर चर्चा हो और जाति-धर्म से परे एकता का संदेश दिया जाए तो यह त्योहार नई पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत बन सकता है। पंचायत और स्थानीय संस्थाएं "सद्भाव होली" जैसे आयोजनों के माध्यम से विभिन्न समुदायों को एक मंच पर ला सकती हैं। आज जब डिजिटल युग में अफवाहें और भ्रामक सूचनाएं तेजी से फैलती हैं, तब सामाजिक सौहार्द बनाए रखना और भी चुनौतीपूर्ण हो गया है। ऐसे में हर नागरिक की जिम्मेदारी है कि वह शांति और सद्भाव का दूत बने। होली के अवसर पर यदि हम यह संकल्प लें कि हम न तो घृणा फैलाएंगे और न ही किसी प्रकार के भेदभाव को बढ़ावा देंगे, तो यह पर्व अपने वास्तविक उद्देश्य को प्राप्त करेगा। हमें यह समझना होगा कि संविधान केवल न्यायालयों और संसद तक सीमित दस्तावेज नहीं है। वह हमारे दैनिक जीवन का मार्गदर्शक है। जब हम किसी को उसकी जाति या धर्म से नहीं बल्कि उसकी मानवता से पहचानते हैं, तब हम वास्तव में संवैधानिक मूल्यों का पालन कर रहे होते हैं। होली हमें यही सीख देती है—रंग भले अलग हों पर मन एक होना चाहिए। इस वर्ष होली को केवल परंपरा के निर्वहन तक सीमित न रखें। इसे सामाजिक परिवर्तन का अवसर बनाएं। अपने मोहल्ले, गांव या शहर में ऐसा वातावरण बनाएं, जहां हर व्यक्ति बिना भय और भेदभाव के उत्सव में भाग ले सके। आइए, हम सब मिलकर यह संकल्प लें कि बंधुता और भाईचारे की भावना को जीवन के हर क्षेत्र में उतारेंगे, जाति और धर्म की संकीर्ण सीमाओं से ऊपर उठेंगे और संविधान में निहित मूल्यों को अपने व्यवहार का हिस्सा बनाएंगे।

■ बाबूलाल नागा

जन सुराज का...

सौरभ वार्ष्णेय

इजरायल- ईरान के छद्म युद्ध से क्या पश्चिम एशिया में बढ़ेगा तनाव?

पश्चिम एशिया लंबे समय से अस्थिरता का केंद्र रहा है, और इस अस्थिरता की एक प्रमुख धुरी है इजरायल और ईरान के बीच चल रहा छद्म युद्ध। यह टकराव प्रत्यक्ष युद्ध के बजाय परोक्ष हमलों, साइबर हमलों, खुफिया अभियानों और क्षेत्रीय संगठनों के माध्यम से लड़ा जाता रहा है। अब आशंका जताई जा रही है कि यह छद्म संघर्ष खुली सैन्य भिड़ंत का रूप ले सकता है जिससे पूरे पश्चिम एशिया में तनाव भड़क सकता है। दोनों देशों के बीच सीधे युद्ध भले ही कम देखने को मिला हो लेकिन विभिन्न मोर्चों पर अप्रत्यक्ष टकराव लगातार जारी रहा है। यही कारण है कि क्षेत्र में किसी भी छोटी घटना के बड़े संघर्ष में बदलने की आशंका बनी रहती है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह टकराव और बढ़ता है तो इसका असर पूरे पश्चिम एशिया पर पड़ सकता है। यह क्षेत्र वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति और महत्वपूर्ण व्यापार मार्गों का केंद्र है। इसलिए किसी भी बड़े सैन्य संघर्ष से अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था और वैश्विक सुरक्षा व्यवस्था प्रभावित हो सकती है। दरअसल, इजरायल लंबे समय से ईरान के परमाणु कार्यक्रम और उसके बढ़ते क्षेत्रीय प्रभाव को अपनी सुरक्षा के लिए खतरा मानता रहा है। वहीं ईरान भी इजरायल की नीतियों और पश्चिमी देशों के साथ उसके गठजोड़ की खुलकर आलोचना करता रहा है। इस वैचारिक और सामरिक टकराव ने दोनों देशों के रिश्तों को लगातार तनावपूर्ण बनाए रखा है। ईरान और इजरायल के बीच वैचारिक और रणनीतिक मतभेद गहरे हैं। इजरायल जहां ईरान के परमाणु कार्यक्रम को अपनी सुरक्षा के लिए खतरा मानता है, वहीं ईरान इजरायल की क्षेत्रीय नीतियों का विरोध करता है। सीरिया, लेबनान और गाजा जैसे क्षेत्रों में दोनों देशों का प्रभाव टकराता रहा है। लेबनान में सक्रिय हिज़्बुल्लाह और गाजा में हमास जैसे संगठनों को लेकर इजरायल और ईरान के बीच आरोप-प्रत्यारोप और हमलों का सिलसिला चलता रहा है। हाल के वर्षों में दोनों देशों के बीच साइबर हमलों, ड्रोन हमलों और गुप्त अभियानों की खबरें सामने आती रही हैं। हालांकि दोनों पक्ष अक्सर प्रत्यक्ष जिम्मेदारी स्वीकार नहीं करते, लेकिन क्षेत्रीय विशेषज्ञ इसे ₹शैडो वॉर₹ यानी छद्म युद्ध की संज्ञा देते हैं। यदि यह संघर्ष खुलकर सामने आता है तो इसका प्रभाव केवल दो देशों तक सीमित नहीं रहेगा। पश्चिम एशिया वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति का प्रमुख केंद्र है। किसी भी बड़े सैन्य टकराव से तेल की कीमतों में उछाल, वैश्विक बाजारों में अस्थिरता और अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक संकट पैदा हो सकता है। इसके अलावा अमेरिका और अन्य वैश्विक शक्तियों की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो जाएगी, जिससे संघर्ष का दायरा और व्यापक हो सकता है। ऐसे समय में सबसे बड़ी आवश्यकता संयम और संवाद की है। क्षेत्र पहले ही सीरिया, यमन और गाजा जैसे संघर्षों से प्रभावित है। एक और बड़े युद्ध की संभावना पूरे क्षेत्र को दीर्घकालिक अस्थिरता की ओर धकेल सकती है। इजरायल और ईरान के बीच लंबे समय से जारी छद्म युद्ध यदि भड़कता है, तो इसका असर केवल पश्चिम एशिया ही नहीं बल्कि वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था पर भी गहरा पड़ेगा। कूटनीतिक प्रयासों और अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता के जरिए ही इस संभावित संकट को टाला जा सकता है। अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था और वैश्विक सुरक्षा व्यवस्था भी हो सकती है प्रभावित आज की परस्पर जुड़ी हुई दुनिया में किसी एक क्षेत्र में पैदा हुआ संकट केवल स्थानीय नहीं रहता, बल्कि उसका असर अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था और वैश्विक सुरक्षा व्यवस्था तक फैल जाता है। वैश्विक राजनीति, व्यापार और तकनीकी प्रतिस्पर्धा के बढ़ते तनाव के बीच यह आशंका और भी प्रबल हो गई है कि यदि बड़े देशों के बीच टकराव या आर्थिक प्रतिबंधों की स्थिति बनती है तो उसका प्रभाव पूरी दुनिया की आर्थिक स्थिरता और सुरक्षा ढांचे पर पड़ सकता है। हाल के वर्षों में विश्व ने कई उदाहरण देखे हैं, जैसे रूस-यूक्रेन युद्ध ने ऊर्जा, खाद्यान्न और आपूर्ति श्रृंखला को गंभीर रूप से प्रभावित किया। यूरोप में गैस संकट गहराया और दुनिया भर में महंगाई बढ़ी। इसी तरह पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव ने तेल की कीमतों को अस्थिर बना दिया, जिससे विकासशील देशों की अर्थव्यवस्था पर अतिरिक्त दबाव पड़ा।

अर्थव्यवस्था का बड़ा हिस्सा अब आपूर्ति श्रृंखलाओं और तकनीकी सहयोग पर निर्भर है। यदि बड़े देशों के बीच व्यापारिक प्रतिबंध या आर्थिक प्रतिस्पर्धा तेज होती है, जैसा कि संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन के बीच देखने को मिलता है, तो इसका असर पूरी दुनिया के बाजारों पर पड़ता है। चिप निर्माण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, और डिजिटल तकनीक के क्षेत्र में बढ़ती प्रतिस्पर्धा भी वैश्विक आर्थिक संतुलन को प्रभावित कर सकती है। इसके साथ-साथ सुरक्षा व्यवस्था भी प्रभावित होती है। जब देशों के बीच अविश्वास बढ़ता है तो सैन्य खर्च बढने लगता है और कूटनीतिक संवाद कमजोर पड़ जाता है। कई देश अपने-अपने सैन्य गठबंधनों को मजबूत करने लगते हैं, जिससे वैश्विक शक्ति संतुलन में बदलाव आता है। यह स्थिति लंबे समय में शांति और स्थिरता के लिए चुनौती बन सकती है। ऐसे समय में अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं और बहुपक्षीय संवाद की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है।

यही वजह है...

कमलेश पांडेय

यक्ष प्रश्नः आखिर अमेरिकी वर्चस्व की कीमत कबतक चुकाएगी शेष दुनिया?

महाकवि तुलसीदास ने 'रामचरितमानस' में लिखा है कि समरथ को नहीं दोष गोसाईं। यानी कि ताकतवर लोगों को कोई भी दैव दोष तक नहीं लगता है. यदि समकालीन लोकतांत्रिक कसौटियों और प्रवृत्तियों में इसे देखें तो देश-दुनिया के सभी वैधानिक नियमन शक्तिशाली देशों और लोगों के ही पक्ष में कार्य करते प्रतीत होते हैं। वाकई उनके किसी भी लोकविरोधी या जनविरोधी कार्य में प्रायः कोई न्यायिक बाधाएं तक नजर नहीं आतीं और न ही उनमें कोई दोष या खामियां तलाशी जाती हैं। आलम यह है कि किसी भी संसद, सर्वोत्तम न्यायालय या फिर अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय तक में ऐसे मामले पर ज्यादा सवाल जवाब नहीं किये जाते और अंततः मामले रफादफा करवा दिए जाते हैं। कबीलाई भाषा में कहें तो जिसकी लाठी, उसकी भैंस वाली कहावत न केवल ग्रामीण जगत की मानसिकता बल्कि आधुनिक नृशंस विश्व के मानस पटल तक पर हावी महसूस होता है। बहरहाल इससे बचने का कोई रास्ता भी नजर नहीं आता। सच कहूं तो ₹वीर भोग्या वसुंधरा₹ वाली कहावत प्रायः हर जगह चरितार्थ होती आई है। देखा जाए तो समकालीन दुनिया भी अमेरिकी वर्चस्व की यही स्थिति है जिसकी भारी कीमत शेष चुकाती आई है और आगे भी चुकाती रहेगी. इन कीमतों में सैन्य हस्तक्षेपों से उत्पन्न युद्ध, तरह तरह से आर्थिक शोषण और डॉलर-प्रधान मौद्रिक व्यवस्था शामिल हैं। वैसे तो अमेरिका का सबसे बड़ा रक्षा बजट और वैश्विक सैन्य अड्डे नेटवर्क अन्य देशों पर हमेशा दबाव बनाए रखते हैं जबकि डॉलर डिप्लोमेसी और डॉलर की आरक्षित मुद्रा स्थिति विकासशील देशों को आर्थिक निर्भरता में बांधती है। यही वजह है कि अमेरिकी वर्चस्व की वैश्विक लागत आएदिन बढ़ती जा रही है और उसके नानाविध हथकंडे से दुनियावी देशों को असहमति की भारी कीमत चुकानी पड़ती है। पहले की बात छोड़ भी दी जाए तो हाल ही में बेनेज़ुएला की सरकार के बाद ईरान की सरकार का जो हश्र अमेरिका और उसके सहयोगी देशों ने कर दिखाया है, वह बिल्कुल ताजा और नया उदाहरण बनकर उभरा है, जहां ईरान को समर्थन देने वाले अंतर्राष्ट्रीय देशों की बेचारगी भी स्पष्ट रूप से परिलक्षित हो जाती है। जी हां, रूस-चीन-उत्तर कोरिया गठजोड़ की जिन्होंने ईरानी तानाशाह खामेनेई को मनबढ़ बनवा कर मरवा दिया और हाथ पर हाथ धरे रहकर तमाशा देखते रहे या विरोध की औपचारिकता भर निभाते रहे। यदि अंतर्राष्ट्रीय घटनाओं पर आपने गौर किया होगा तो स्पष्ट महसूस हुआ होगा कि इराक-अफगानिस्तान जैसे लंबे संघर्षों से अमेरिकी सैन्य अतिभारण बढ़ा जिससे वैश्विक अस्थिरता और आर्थिक बोझ बढ़ा। वहीं, कोई भी देश डॉलर प्रभुत्व से अमेरिकी ऋण आसानी से ले सकता है लेकिन अन्य देशों को महंगाई और व्यापार असंतुलन का सामना करना पड़ता है। इसके अलावा, पेट्रोडॉलर सिस्टम तेल व्यापार को डॉलर में बांधता है, जो चीन जैसे आयातकों के लिए नुकसानदेह है। हालांकि, अमेरिकी वर्चस्व में यदाकदा क्षय के संकेत भी मिलते आए हैं लेकिन डॉनल्ड ट्रंफ के कार्यकाल में अमेरिका का जो रक्तरंजित चेहरा खुलकर सामने आया है वह अमेरिका को चुनौती देने की सोच रखने वाले देशों को किसी खुली नसीहत की तरह है। पहले टैरिफ युद्ध और अब खुली जंग ने यह साफ कर दिया है।

जरा हटके

यदि कच्चे तेल ...

ललित गर्ग

युद्ध नहीं, शांति ही बदलती दुनिया की अनिवार्य अपेक्षा

नई बनती दुनिया का चेहरा जितनी तेजी से बदल रहा है, उतनी ही तेजी से वैश्विक असुरक्षा की भावना भी गहराती जा रही है। अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच बढ़ता टकराव केवल क्षेत्रीय संघर्ष नहीं है, बल्कि वह एक ऐसे वैश्विक असंतुलन का संकेत है जिसमें शक्ति संतुलन की पुरानी व्यवस्थाएं टूट रही हैं और नई विश्व-व्यवस्था अभी स्थिर रूप नहीं ले सकी है। जब महाशक्तियां प्रत्यक्ष या परोक्ष युद्ध में उतरती हैं, तब उसका प्रभाव सीमाओं से परे जाकर समूची मानवता को प्रभावित करता है। ऊर्जा बाजार, आपूर्ति श्रृंखलाएं, मुद्रा विनिमय दरें, शेयर बाजार, खाद्य सुरक्षा, शांतिपूर्ण मानव जीवन और कूटनीतिक समीकरण-सब कुछ अनिश्चितता के घेरे में आ जाता है। मध्यपूर्व में किसी भी बड़े युद्ध का पहला असर तेल आपूर्ति पर पड़ता है। होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाली वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति यदि बाधित होती है तो तेल की कीमतें आसमान छूने लगती हैं। भारत जैसे ऊर्जा-आयातक देश के लिए यह स्थिति दोहरी चुनौती लेकर आती है-एक ओर आयात बिल बढ़ता है, दूसरी ओर महंगाई और राजकोषीय दबाव में वृद्धि होती है। यदि कच्चे तेल के दाम बढ़ते हैं तो परिवहन, उर्वरक, बिजली और विनिर्माण लागत में वृद्धि अनिवार्य है, जिसका सीधा असर आम नागरिक की जेब पर पड़ता है। वैश्विक वित्तीय बाजार पहले ही अनिश्चितता से जूझ रहे हैं, ऐसे में लंबा खिंचता युद्ध निवेश और विकास की गति को भी धीमा कर सकता है। ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ता टकराव केवल दो देशों का संघर्ष नहीं, बल्कि बदलती विश्व-व्यवस्था की परीक्षा है। ऐसे समय में युद्ध को तेज़ करने के बजाय उसे रोकने की कोशिशों को और अधिक गति देने की आवश्यकता है। दोनों पक्षों से परिपक्वता और संयम की अपेक्षा है, विशेषकर अमेरिका से, जो स्वयं को वैश्विक नेतृत्व की भूमिका में देखता है और जिसे शक्ति के साथ-साथ जिम्मेदारी का भी परिचय देना चाहिए। एक तेल उत्पादक देश के रूप में ईरान का अस्तित्व और स्थिरता विश्व अर्थव्यवस्था के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है; वहां की अस्थिरता ऊर्जा बाजार से लेकर विकासशील देशों की वित्तीय संरचना तक को प्रभावित कर सकती है। हालिया हमलों में सैकड़ों लोगों के मारे जाने, हजारों के घायल होने और बड़ी संख्या में लोगों के फंसे होने की खबरें मानवता के लिए गहरी चिंता का विषय हैं। ईरान में शीर्ष नेतृत्व पर हमलों और उसके बाद तेहरान आदि मुस्लिम देशों की तीखी प्रतिक्रियाओं ने पश्चिम एशिया के हालात को और अधिक विस्फोटक बना दिया है। यह संघर्ष केवल पश्चिम एशिया तक सीमित नहीं रहेगा; इसका प्रभाव दक्षिण एशिया की भू-राजनीति, समुद्री मार्गों की सुरक्षा, वैश्विक कूटनीतिक संतुलन और विश्व अर्थव्यवस्था पर दूरगामी होगा। युद्ध आर्थिक संकट ही नहीं लाता, वह सामाजिक ताने-बाने को तोड़ता है, सांस्कृतिक संवाद को बाधित करता है और राष्ट्रों के बीच अविश्वास की दीवारें ऊंची करता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि बदलती दुनिया में सह-अस्तित्व, संवाद और बहुपक्षीय सहयोग की भावना को पुनर्जीवित किया जाए। शक्ति प्रदर्शन के स्थान पर समझदारी, प्रतिशोध के स्थान पर कूटनीति और वर्चस्व के स्थान पर साझी जिम्मेदारी-इन्हीं मूल्यों से विश्व को स्थिरता मिल सकती है। यह संघर्ष केवल आर्थिक नहीं, बल्कि वैचारिक और भू-राजनीतिक भी है। यूक्रेन संकट के बाद विश्व पहले ही ध्रुवीकरण की दिशा में बढ़ चुका था। अब यदि पश्चिम एशिया में स्थायी अस्थिरता पैदा होती है तो वैश्विक दक्षिण के देशों के लिए संतुलन साधना कठिन हो जाएगा। भारत एक ओर अमेरिका और यूरोपीय देशों के साथ रणनीतिक साझेदारी बढ़ा रहा है, तो दूसरी ओर ईरान के साथ उसके ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और ऊर्जा संबंध भी रहे हैं। इसके साथ ही इजरायल के साथ रक्षा और तकनीकी सहयोग भी मजबूत हुआ है। ऐसे में किसी एक पक्ष के साथ खुलकर खड़े होना भारत की बहुस्तरीय विदेश नीति के लिए जटिल प्रश्न बन सकता है। भारत की विशेष चिंता यह भी है कि मध्यपूर्व में लगभग 90 लाख भारतीय कार्यरत हैं। यदि युद्ध की आग फैलती है तो न केवल उनकी सुरक्षा खतरे में पड़ेगी, बल्कि भारत को मिलने वाली अरबों डॉलर की प्रेषण राशि पर भी प्रभाव पड़ेगा। इसके अतिरिक्त, लाल सागर और खाड़ी क्षेत्र में समुद्री मार्गों पर तनाव बढ़ने से व्यापारिक शिपमेंट महंगे हो सकते हैं। यह परिस्थिति भारत के विकास पथ पर दबाव डाल सकती है, जो अभी विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में गिना जा रहा है। ऐसे समय में भारत की भूमिका केवल एक प्रभावित राष्ट्र की नहीं, बल्कि एक संभावित मध्यस्थ और संतुलनकर्ता की भी हो सकती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले वर्षों में बहुध्रुवीय कूटनीति की जो नीति अपनाई है, वह इसी प्रकार की जटिल परिस्थितियों में उपयोगी सिद्ध हो सकती है। भारत ने एक ओर अमेरिका के साथ सामरिक साझेदारी को सुदृढ़ किया है, वहीं रूस से ऊर्जा सहयोग बनाए रखा है और पश्चिम एशिया के देशों के साथ भी संतुलित संबंध कायम रखे हैं। यह 'रणनीतिक स्वायत्तता' की नीति भारत को किसी एक खेमे में बंधने से बचाती है। भारत का यह दृष्टिकोण उसे संवाद और शांति प्रयासों के लिए विश्वसनीय मंच प्रदान कर सकता है। भारत इस समय ब्रिक्स की अध्यक्षता कर रहा है, जिसमें ईरान भी सदस्य बन चुका है। यह मंच वैश्विक दक्षिण की आवाज को सशक्त करने का अवसर देता है। यदि भारत इस मंच के माध्यम से युद्धविराम, संवाद और बहुपक्षीय समाधान की पहल करता है, तो वह न केवल अपनी कूटनीतिक विश्वसनीयता बढ़ा सकता है, बल्कि वैश्विक स्थिरता में भी योगदान दे सकता है। संयुक्त राष्ट्र की निष्क्रियता या सीमित प्रभाव के बीच मध्यम शक्तियों की भूमिका बढ़ना स्वाभाविक है। भारत, जो स्वयं उपनिवेशवाद और शीत युद्ध की राजनीति से सीख लेकर उभरा है, शांति-आधारित बहुपक्षवाद का पक्षधर बन सकता है। दूसरी ओर, दक्षिण एशिया में भी चुनौतियां कम नहीं हैं। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच बढ़ते तनाव और आंतरिक अस्थिरता का प्रभाव भारत की सुरक्षा और क्षेत्रीय संतुलन पर पड़ सकता है। यदि पश्चिम एशिया में अस्थिरता बढ़ती है और साथ ही दक्षिण एशिया में भी उथल-पुथल होती है।

धर्मशाला, मुल्लांपुर, चेन्नई और लखनऊ को मेजबानी, 6 से 20 जून के बीच होंगे मुकाबले

भारत में 1 टेस्ट और 3 वनडे खेलेगा अफगानिस्तान

मुकाबला

नई दिल्ली, एजेंसी

अफगानिस्तान टीम 6 से 20 जून के बीच भारत में 1 टेस्ट और 3 वनडे खेलेगी। IPL का 19वां सीजन खत्म होने के बाद सीरीज शुरू होगी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) ने शेड्यूल रिलीज करते हुए बताया कि मुल्लांपुर में टेस्ट मैच से सीरीज शुरू होगी। फिर धर्मशाला, लखनऊ और चेन्नई में 3 वनडे खेले जाएंगे। BCCI ने मीडिया रिलीज में बताया कि महाराजा यादवेंद्र सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में 6 से 10 जून तक टेस्ट मैच होगा। फिर 14 जून को HPCA स्टेडियम में पहला वनडे, 17 जून को इकाना स्टेडियम में दूसरा वनडे और 20 जून को चेपॉक स्टेडियम में तीसरा वनडे खेला जाएगा। सभी वनडे दोपहर 1.30 बजे से शुरू होंगे। अफगानिस्तान ने अपने टेस्ट करियर की शुरुआत ही टीम इंडिया के खिलाफ मैच से की थी। 2018 में बेंगलुरु के मैदान पर भारत ने पारी और 262 रन से मुकाबला जीत लिया था।

अफगानिस्तान की टीम भारत को एक भी इंटरनेशनल क्रिकेट मैच नहीं हरा सकी है।

वर्ल्ड कप खेल रही है टीम इंडिया

टीम इंडिया फिलहाल होमग्राउंड पर टी-20 वर्ल्ड कप खेल रही है। भारत ने रविवार को सुपर-8 स्टेज मैच में वेस्टइंडीज को हराया और सेमीफाइनल में जगह बनाई। जहां टीम का सामना 5 मार्च को इंग्लैंड से होगा, मुकाबला मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला जाएगा। टूर्नामेंट का फाइनल 8 मार्च को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होगा। दूसरी ओर अफगानिस्तान टीम ग्रुप स्टेज भी पार नहीं कर सकी। तब से अफगानिस्तान ने 13 टेस्ट खेले, 4 जीते और 7 गंवा दिए।

भारत को कभी नहीं हरा सका अफगानिस्तान

अफगानिस्तान और भारत के बीच 4 वनडे खेले गए। सभी मल्टिनेशन टूर्नामेंट में ही रहे। एशिया कप में दोनों ने 2 मैच खेले, 1 में भारत को जीत मिली, जबकि 2018 में एक मुकाबला टाई भी रहा। 2019 और 2023 के वनडे वर्ल्ड कप में भी दोनों के बीच 2 मैच हुए। सभी में भारत जीता। दोनों टीमों के बीच पहली बार वनडे फॉर्मेट की सीरीज होने जा रही है। टी-20 इंटरनेशनल में दोनों टीमों के बीच 9 मुकाबले हुए। 8 में भारत को जीत मिली, जबकि एशियन गेम्स में एक मुकाबला बेनतीजा भी रहा। दोनों टीमों ने इस फॉर्मेट की इकलौती सीरीज 2024 में खेली थी, तब भारत 3-0 से जीता था। जबकि 2 ड्रॉ रहे। टीम को न्यूजीलैंड और साउथ अफ्रीका के खिलाफ हार मिली।

मुंबई क्रिकेट ने महिला टी-20 लीग की शुरुआत की

1 से 15 जून के बीच आयोजन की तैयारी

मुंबई, एजेंसी

मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (MCA) ने महिला टी-20 मुंबई लीग की शुरुआत कर दी है। मेंस की टी-20 मुंबई लीग की तर्ज पर होने वाली इस फ्रेंचाइजी आधारित प्रतियोगिता के लिए 3 टीमों की बिक्री से को एसोसिएशन 4 करोड़ रुपए से ज्यादा की आय हुई है। लीग का आयोजन 1 से 15 जून के बीच हो सकता है। महिला लीग में कुल 7 मुकाबले खेले जाएंगे। इसमें तीन आइकन खिलाड़ी शामिल होंगी, जिनमें जेमिमा रोड्रिग्स, सायमा ठाकोर और सयाली सतघरे के नाम प्रस्तावित हैं। हालांकि इनकी उपलब्धता पर अंतिम फैसला होगा। यह लीग सिर्फ मुंबई की महिला क्रिकेटरों के लिए होगी। MCA खिलाड़ियों की नीलामी भी कराने की तैयारी में है। MCA अध्यक्ष अजिंक्य नाइक ने कहा कि बोली प्रक्रिया को अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। शनिवार को पीआरएस इंफ्राप्रोजेक्ट्स एलएलपी ने 2 करोड़ 25 लाख रुपए की सबसे ऊंची बोली लगाई। रोडवे सॉल्यूशन इंडिया इंफ्रा लिमिटेड ने 1 करोड़ 9 लाख रुपए और वर्ल्ड स्टार स्पोर्टिंग प्राइवेट लिमिटेड ने 79 लाख रुपए की बोली लगाकर टीमों के अधिकार हासिल किए। टी-20 मुंबई लीग गवर्निंग काउंसिल के चेयरमैन राजदीप गुप्ता ने कहा कि यह प्रक्रिया महिला लीग के लिए अहम पड़ाव है। उन्हें उम्मीद है। कि फ्रेंचाइजी मालिकों के साथ मिलकर एक प्रतिस्पर्धी और उच्च स्तर का टूर्नामेंट आयोजित किया जाएगा।

फास्ट न्यूज

एयर इंडिया एक्सप्रेस के एमडी आलोक सिंह ने इस्तीफा दिया

नई दिल्ली। टाटा ग्रुप की किफायती एयरलाइन एयर इंडिया एक्सप्रेस (AIX) में बड़े बदलाव होने जा रहे हैं। एयरलाइन के मैनेजिंग डायरेक्टर (MD) आलोक सिंह 19 मार्च को अपना कार्यकाल पूरा होने के बाद पद छोड़ देंगे। उन्होंने सोमवार को स्टाफ को भेजे एक संदेश में अपने इस्तीफे की घोषणा की। आलोक सिंह के नेतृत्व में ही एयर इंडिया एक्सप्रेस ने एयरएशिया इंडिया (अब AIX कनेक्ट) के खुद में मर्जर की प्रोसेस को पूरा किया था।

मिडिल ईस्ट तनाव का असर- पाकिस्तान शेयर बाजार 10% टूटा

मुंबई। पाकिस्तान के शेयर बाजार में आज यानी 2 मार्च को बड़ी गिरावट रही। KSE-30 इंडेक्स 4,996 अंक (9.73%) गिरकर 46,326 पर बंद हुआ। इससे पहले भारी बिकवाली के चलते मार्केट में 45 मिनट के लिए ट्रेडिंग रोकनी पड़ी यानी लोअर सर्किट लग गया था। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव और पड़ोसी देश अफगानिस्तान के साथ जारी विवाद का सीधा असर निवेशकों के सेंटीमेंट पर पड़ा है। बाजार में इस गिरावट की मुख्य वजह मिडिल ईस्ट में बढ़ता युद्ध का खतरा है। ईरान पर अमेरिका और इजरायल के हमलों के बाद पाकिस्तान में ईरान के समर्थन में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। रविवार को कराची में प्रदर्शनकारियों ने अमेरिकी दूतावास में घुसने की कोशिश की, जिसके बाद पुलिस के साथ हुई झड़प में कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई।

होली पर 3 मार्च को शेयर बाजार बंद रहेगा

मुंबई। देशभर में होली की तारीख को लेकर जारी कन्फ्यूजन के बीच नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (BSE) ने अपनी छुट्टियों का कैलेंडर साफ कर दिया है। शेयर बाजार मंगलवार (3 मार्च 2026) को होली के अवसर पर बंद रहेंगे। इस दौरान इक्विटी, डेरिवेटिव और SLB सेगमेंट में कोई कामकाज नहीं होगा। हालांकि, कमोडिटी मार्केट (MCX) के समय में थोड़ा बदलाव किया गया है।

ट्रम्प-नेतन्याहू इतना आगे बढ़ गए कि दूसरों के पास रास्ता ही नहीं बचा

अमेरिका, इजराइल ने अब हद पार की : जावेद अख्तर

मुबंई। अमेरिका और इजराइल की ओर से ईरान के खिलाफ की गई सैन्य कार्रवाई पर गीतकार और लेखक जावेद अख्तर ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प पर निशाना साधा है। एलनाज ने एक अन्य स्टोरी में अली खामेनेई की मौत से जुड़ी खबर शेयर करते हुए थैंक्यू लिखा और खुशी वाले इमोजी भी पोस्ट किए। एलनाज को पहचान नेटफ्लिक्स की वेब सीरीज सैक्रेड गेम्स से मिली, जिसमें उन्होंने जोया का किरदार निभाया था। इसके अलावा उन्होंने हॉलीवुड फिल्म कंधार में जेरार्ड बटलर के साथ काम किया। एलनाज के अलावा ईरान की स्थिति को लेकर ईरानी मूल की एक्ट्रेस मंदाना करीमी ने भी प्रतिक्रिया दी। मंदाना ने खामेनेई की मौत की खबर पर रोने वाले एंकर का मजाक उड़ाया।

एलनाज महिलाओं के अधिकारों को लेकर मुखर रहीं

एलनाज नौरोजी ने ईरान में महिलाओं के अधिकारों पर खुलकर बात की है। अक्टूबर 2022 में उन्होंने ईरान की तथाकथित 'मॉरालिटी पुलिस' के खिलाफ एक प्रतीकात्मक और विवादास्पद विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वे बुर्के से लेकर कई परतों वाले कपड़े उतारती नजर आईं। इस कदम के जरिए उन्होंने यह संदेश दिया कि किसी महिला को क्या पहनना है, इसका फैसला वही स्वयं करे। सितंबर 2022 में 22 साल की महसा अमीनी की पुलिस हिरासत में हुई मृत्यु के बाद जब ईरान में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन शुरू हुए।

खामेनेई की मौत पर एलनाज नौरोजी ने खुशी जताई

जावेद अख्तर के अलावा एक्ट्रेस एलनाज नौरोजी ने भी US-ईरान तनाव को लेकर प्रतिक्रिया दी। खामेनेई की मौत की खबर पर वेब सीरीज सेक्रेड गेम्स में नजर आ चुकीं एक्ट्रेस एलनाज नौरोजी ने खुशी जताई। एलनाज नौरोजी ने शनिवार को इंस्टाग्राम स्टोरी पर पोस्ट शेयर कर लिखा, "47 साल से जिस खबर का इंतजार कर रहे थे।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर ट्वीट करते हुए उन्होंने लिखा, "मुझे लगता है कि इस बार ट्रम्प और इजराइल ने हद से ज्यादा कदम उठा लिया है। अगर उन्हें इस तरह की हिम्मत दिखाने और इराक की तरह ईरान के साथ भी ऐसा करने की छूट मिल जाती है।

विभाजन की पृष्ठभूमि पर है फिल्म 'जय हिंद जय सिंध'

प्रोड्यूसर सैमी ननवानी ने पीएम को फिल्म दिखाने की जताई इच्छा

नई दिल्ली। सैमीज एंटरटेनमेंट की नई बॉलीवुड फिल्म जय हिंद जय सिंध - ए लव स्टोरी भारत के विभाजन की पृष्ठभूमि पर आधारित एक इमोशनल कहानी है। फिल्म का निर्देशन इंद्रजीत लंकेश ने किया है और इसके प्रोड्यूसर सैमी ननवानी हैं। फिल्म को लेकर प्रोड्यूसर सैमी ननवानी और एक्टर विक्रम कोचर ने प्रोड्यूसर सैमी ननवानी ने पीएम मोदी को फिल्म दिखाने की इच्छा जाहिर की। बातचीत में प्रोड्यूसर सैमी ननवानी से पूछा गया कि क्या फिल्म में सिंध से आए लोगों के पलायन और उनके योगदान को भी दिखाया जाएगा। इस पर उन्होंने कहा कि सिंध इस फिल्म का एक हिस्सा है, लेकिन पूरी कहानी उससे कहीं बड़ी है। उनके मुताबिक फिल्म भारत की विविधता और एकता को दिखाती है। अलग तरह का खाना खाते हैं और अलग दिखते हैं, फिर भी दिल से एक हैं और साथ रहते हैं। सैमी ने कहा कि जैसे हॉलीवुड फिल्मों ने अमेरिका को दुनिया में पहचान दिलाई, वैसे ही यह फिल्म भारत की छवि को आगे बढ़ाने का काम करेगी।

विदेशी निवेशकों की भारतीय बाजार में जोरदार वापसी

फरवरी में 22,615 करोड़ का निवेश, 17 महीने का रिकॉर्ड

मुंबई एजेंसी

फरवरी महीने में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (FPIs) ने भारतीय शेयर बाजार में जबरदस्त वापसी की है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के मुताबिक, इस महीने विदेशी निवेशकों ने 22,615 करोड़ के शेयर खरीदे। यह पिछले 17 महीनों में विदेशी निवेश का सबसे ऊंचा स्तर है। इससे पहले सितंबर 2024 में FPIs ने 57,724 करोड़ का निवेश किया था। बाजार जानकारों का मानना है कि भारत और अमेरिका के बीच हुई अंतरिम ट्रेड डील, शेयरों की कीमतों में सुधार और कंपनियों के तीसरी तिमाही (Q3) के शानदार नतीजों ने निवेशकों का भरोसा लौटाया है। साल 2026 की शुरुआत विदेशी निवेशकों के लिए काफी खराब रही थी। फरवरी में हुई इस खरीदारी से पहले लगातार तीन महीनों तक FPIs ने बाजार से पैसा निकाला था। विशेषज्ञों का मानना है कि विदेशी निवेशकों की यह वापसी भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती और स्थिरता का संकेत है। वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक बना हुआ है। बाजार विश्लेषकों का कहना है कि यदि आर्थिक संकेतक सकारात्मक बने रहते हैं और वैश्विक परिस्थितियां स्थिर रहती हैं, तो आने वाले महीनों में विदेशी निवेश में और बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है।

तालिबान के मंत्री बोले- हमने डूरंड लाइन पार की, पाक का दावा- 400 अफगान लड़ाके मारे

अफगानिस्तान का पाकिस्तान के नूरखान एयरबेस पर हमला

गोलीबारी

काबुल, एजेंसी

अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच सीमा पर बीते चार दिनों से लगातार हवाई हमले और गोलीबारी जारी है। तालिबान सरकार का कहना है कि हमने पाकिस्तान के बेहद संवेदनशील नूर खान एयरबेस पर हमला किया है। यह एयरबेस रावलपिंडी में है। इसके साथ ही तालिबान के एक मंत्री ने दावा किया कि उनके लड़ाके डूरंड लाइन पार कर पाकिस्तान की जमीन में घुस चुके हैं। तालिबान के मुताबिक, क्वेटा और खैबर पख्तूनख्वा के कुछ सैन्य ठिकानों पर भी हमले किए गए हैं। ये कार्रवाई पाकिस्तान की ओर से काबुल, बगराम और अन्य इलाकों में किए गए हवाई हमलों के जवाब में की गई। दूसरी तरफ पाकिस्तान सरकार ने दावा किया है कि अब तक 400 से ज्यादा अफगान लड़ाके मारे जा चुके हैं और सैकड़ों घायल हुए हैं।

- पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में लड़ाई के दौरान एक मस्जिद क्षतिग्रस्त हो गई।
- पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा के एक अस्पताल में 27 फरवरी को एक घायल लड़की का इलाज करते डॉक्टर।

पाकिस्तान ने अफगानिस्तान में 415 तालिबान लड़ाके मारे

पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के खिलाफ हमले को 'गजब लिल हक' ऑपरेशन नाम दिया है और काबुल समेत कई प्रांतों में हमले किए। 'गजब लिल हक' का मतलब है, अपने हक के लिए खड़े होना। पाकिस्तान और अफगानिस्तान में संघर्ष की शुरुआत 22 फरवरी को हुई थी।

पाकिस्तान की संसद में निंदा प्रस्ताव पास

पाकिस्तान की सीनेट ने अफगानिस्तान के खिलाफ निंदा प्रस्ताव पारित किया। विदेश मंत्रालय ने कहा कि आगे किसी भी उकसावे पर कड़ा और निर्णायक जवाब दिया जाएगा। शरीफ ने सेना मुख्यालय का दौरा कर जीरो टॉलरेंस की नीति दोहराई।

185 टैंक और सैन्य वाहन तबाह किए गए

पाकिस्तानी वायुसेना ने दावा किया है कि उसने नंगरहार और कंधार में तालिबान के सैन्य मुख्यालयों को निशाना बनाया। वहीं तालिबान का कहना है कि उसके सिर्फ 8 से 13 लड़ाके मारे गए और कुछ घायल हुए हैं। उसने दावा किया कि 55 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए और दो सैन्य मुख्यालयों समेत कई चौकियों पर कब्जा किया गया। तालिबान ने चेतावनी दी है कि अगर पाकिस्तान ने आगे हमला किया तो और कड़ा जवाब दिया जाएगा। पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के सीमावर्ती इलाकों में एयरस्ट्राइक की थी।

10 ग्राम की कीमत ₹1.66 लाख हुई, चांदी ₹20,000 बढ़कर ₹2.87 लाख पर पहुंची

अमेरिका-ईरान जंग से सोने में ₹7000 की तेजी

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली/लखनऊ, 2 मार्च 2026: वैश्विक स्तर पर बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव का असर अब सीधे तौर पर भारतीय सर्राफा बाजार पर दिखाई देने लगा है। अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच जारी युद्ध जैसे हालातों के कारण निवेशकों का रुझान सुरक्षित निवेश विकल्पों की ओर तेजी से बढ़ा है, जिसका सबसे बड़ा फायदा सोने और चांदी को मिला है। सोमवार यानी 2 मार्च को सोना और चांदी दोनों की कीमतों में जोरदार उछाल दर्ज किया गया। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) द्वारा जारी ताजा आंकड़ों के अनुसार, 24 कैरेट सोने की कीमत में एक दिन में 7,000 रुपए की बड़ी बढ़त दर्ज की गई है। इसके साथ ही 10 ग्राम सोना 1,59,000 रुपए से बढ़कर 1,66,000 रुपए प्रति 10 ग्राम के नए स्तर पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी की कीमत में इससे भी बड़ी तेजी देखने को मिली। एक किलो चांदी 20,000 रुपए महंगी होकर 2,67,000 रुपए से बढ़कर 2,87,000 रुपए प्रति किलो के स्तर पर पहुंच गई है। यह वृद्धि निवेशकों के बढ़ते भरोसे और वैश्विक अस्थिरता का सीधा परिणाम मानी जा रही है। कमोडिटी बाजार के जानकार अजय केडिया का कहना है कि वैश्विक तनाव और युद्ध जैसे हालातों में निवेशक शेयर बाजार और जोखिम वाले निवेश से पैसा निकालकर सोने में लगाते हैं। सोना सदियों से सुरक्षित निवेश (Safe Haven) माना जाता है। उन्होंने अनुमान जताया कि यदि मौजूदा हालात जारी रहते हैं तो आने वाले समय में सोने की कीमत 1.90 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम तक पहुंच सकती है।

ज्वेलर्स से सोना खरीदते समय इन 2 बातों का रखें ध्यान

1. **सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें:** हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (BIS) का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह से हो सकता है- AZ4524। हॉलमार्किंग से पता चलता है कि सोना कितने कैरेट का है।

2. **कीमत क्रॉस चेक करें:** सोने का सही वजन और खरीदने के दिन उसकी कीमत कई सोर्सेज (जैसे इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट) से क्रॉस चेक करें। सोने का भाव 24 कैरेट, 22 कैरेट और 18 कैरेट के हिसाब से अलग-अलग होता है।

असली चांदी की पहचान करने के 4 तरीके

- **मैग्नेट टेस्ट:** असली सिल्वर चुंबक से नहीं चिपकती। अगर चिपक जाए तो फेक है।
- **आइस टेस्ट:** सिल्वर पर बर्फ रखें। असली सिल्वर पर बर्फ बहुत तेजी से पिघलेगी।
- **स्मेल टेस्ट:** असली सिल्वर में गंध नहीं होती। फेक में कॉपर जैसी गंध आ सकती है।
- **क्लॉथ टेस्ट:** चांदी को सफेद कपड़े से रगड़ें। अगर काला निशान आए तो असली है।

सोने-चांदी के दाम बढ़ने के 3 मुख्य कारण

- **दुनिया में तनाव:** मिडिल ईस्ट में अमेरिका-ईरान जंग और रूस-यूक्रेन वार्ता फेल होने से असुरक्षा का माहौल है। लोग गोल्ड में पैसा लगा रहे हैं।
- **फेड रेट कट की उम्मीद:** अमेरिकी फेड से इस साल ब्याज दरें घटाने के संकेत दिए हैं। दरें कम होने पर गोल्ड जैसी चीजों की डिमांड बढ़ जाती है।
- **सस्ते में खरीदारी:** पिछले दिनों दोनों मेटल्स में बड़ी गिरावट के बाद दाम आकर्षक हो गए। निवेशक और ज्वेलर्स ने सस्ते में खरीदना शुरू कर दिया।

अमेरिका-ईरान जंग से सेंसेक्स 1048 अंक गिरा, 80,239 पर बंद

सोना 7 हजार रुपए बढ़ा, पाकिस्तानी बाजार 10% टूटा

मुंबई, एजेंसी

अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग के चलते भारतीय शेयर बाजार में आज यानी 2 मार्च को गिरावट रही। सेंसेक्स 1048 अंक (1.29%) गिरावट के साथ 80,239 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी करीब 313 अंकों (1.24%) की गिरावट रही, ये 24,866 के स्तर पर आ गया। जियोपॉलिटिकल तनाव और जंग जैसी स्थिति में महंगाई बढ़ने का खतरा रहता है। इससे कंपनियों का मुनाफा कम हो सकता है। ऐसे में निवेशक उनके शेयर बेचना शुरू कर देते हैं और इसे सोने-चांदी जैसी सुरक्षित जगह निवेश करते हैं। इससे बाजार में गिरावट आती है। कच्चे तेज की कीमतों में तेजी के चलते आज एनर्जी और ऑटो शेयरों में ज्यादा गिरावट है। ब्रेंट क्रूड की कीमत 10% बढ़कर 79 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गई है। जानकारों का मानना है कि अगर यह तनाव और बढ़ा, तो तेल की कीमतें 120 डॉलर प्रति बैरल तक सकती हैं। इसका असर भारत में पेट्रोल-डीजल पर दिख सकता है। दिल्ली में पेट्रोल 95 लीटर से बढ़कर 100 तक पहुंच सकता है। वहीं डीजल 88 से बढ़कर 92 तक जा सकता है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 7 हजार रुपए बढ़कर 1.66 लाख पहुंच गया है। इससे पहले इसकी कीमत 1.59 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम थी। कमोडिटी एक्सपर्ट अजय केडिया के मुताबिक सोना 1.90 लाख रुपए तक जा सकता है। चांदी 3.50 लाख तक पहुंच सकती है। युद्ध जैसे अनिश्चित माहौल में निवेशक सोने को सुरक्षित मानते हैं और इसमें पैसा लगाने लगते हैं। इससे इसकी डिमांड बढ़ती है।

एटीएस अधिकारी बनकर 90 लाख की साइबर ठगी

जयपुर में बैठकर गिरोह चला रहा सरगना, 3 सदस्य पहले दबोचे गए थे

पुलिस की सख्त पूछताछ में दोनों आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे पैसों के लालच में साइबर ठगी गिरोह से जुड़े थे।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में ATS अधिकारी बनकर दंपती से करीब 90 लाख की साइबर ठगी करने वाले 2 और आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इससे पहले इस मामले में 3 आरोपी पकड़े जा चुके हैं। इंस्पेक्टर बृजेश यादव ने बताया- 26 जनवरी 2026 को वीना बाजपेयी के मोबाइल पर कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को एटीएस मुख्यालय में तैनात इंस्पेक्टर रंजीत कुमार बताया और आतंकवाद व मनी लॉन्ड्रिंग जैसे गंभीर मामलों में फंसाने की धमकी दी। इसके बाद पीड़ित वीना और उनके पति को

सिग्नल ऐप डाउनलोड कर संपर्क में रहने को कहा गया। ऐप पर अजय प्रताप श्रीवास्तव नाम के व्यक्ति ने खुद को एटीएस अधिकारी बताते हुए सुप्रीम कोर्ट के फर्जी आदेश और सीजर दस्तावेज दिखाए। उसने गिरफ्तारी से बचाने और खातों की जांच पूरी करने के नाम पर रकम ट्रांसफर कराने का दबाव बनाया। लखनऊ में ATS अधिकारी बनकर दंपती से करीब 90 लाख की साइबर ठगी करने वाले 2 और आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

11 दिन में ट्रांसफर करा लिए 90 लाख

भय और मानसिक दबाव में आकर पीड़ित परिवार से 29 जनवरी से 9 फरवरी 2026 के बीच आरटीजीएस के जरिए अलग-अलग खातों में कुल 90 लाख ट्रांसफर करा लिए गए। बाद में आरोपियों ने 11 लाख और मांगे। असमर्थता जताने पर गाली-गलौज करते हुए जान-माल की धमकी दी गई। पुलिस की सख्त पूछताछ में दोनों आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे पैसों के लालच में साइबर ठगी गिरोह से जुड़े थे।

दो आरोपी राजस्थान से गिरफ्तार

मामले की जांच कर रही पुलिस टीमों ने सीकर राजस्थान निवासी मनोज यादव (21) और जितेंद्र यादव उर्फ जीतू (23) को गिरफ्तार किया है। इससे पहले 17 फरवरी को पुलिस मयंक श्रीवास्तव, इरशाद और मनीष कुमार को पकड़ चुकी है। पूछताछ में दोनों आरोपियों ने शुरुआत में खुद को निर्दोष बताया और कहा कि उन्हें लालच व डर दिखाकर जोड़ा गया था। उन्होंने दावा किया कि जयपुर में रहने वाला एक युवक उन्हें निर्देश देता था।

ऐसे काम करता था गिरोह

मुख्य सरगना जयपुर या अन्य स्थान से नेटवर्क संचालित करता था। काम के बाद मोबाइल नंबर बदलना, चैट डिलीट करना और फर्जी आईडी का इस्तेमाल किया जाता था। पुलिस के मुताबिक, गिरोह बड़े नेटवर्क के जरिए काम करता था।

पुलिस ने बताया कि गैंग के सदस्य सोशल मीडिया, कॉल और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से शिकार तलाशते थे। खुद को सरकारी अधिकारी या विश्वसनीय संस्था बताकर भरोसा जीतते थे। लालच या भय का माहौल बनाकर रकम ट्रांसफर कराते थे। रकम लेने के लिए फर्जी या किराए के बैंक खातों का इस्तेमाल होता था।

वाम और लोकतांत्रिक संगठन की बैठक

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। 2 मार्च 2026 को लखनऊ में वामपंथी और लोकतांत्रिक संगठनों की एक संयुक्त बैठक आयोजित की गई, जिसमें ईरान पर जारी अमेरिकी–इज़राइली सैन्य हमले — जिसमें ईरान के सर्वोच्च नेता आयतोल्लाह अली खामेनेई और कई वरिष्ठ ईरानी अधिकारियों की लक्षित हत्या शामिल है — की तीखी निंदा की गई। बैठक ने इसे अंतरराष्ट्रीय कानून, राष्ट्रीय संप्रभुता और वैश्विक शांति के लिए गंभीर खतरा बताया। यह कहा गया कि इस प्रकार की एकपक्षीय सैन्य कार्रवाई संयुक्त राष्ट्र चार्टर की मूल भावना को कमजोर करती है और शक्तिशाली देशों द्वारा न्यायेतर सैन्य आक्रामकता को सामान्य बनाती है। बैठक की अध्यक्षता उदय नाथ सिंह (ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक) ने की। बैठक में रमेश सिंह सेंगर (सीपीआई(एमएल) लिबरेशन), मधुसूदन मगन (एआईसीसीटीयू), राजीव गुप्ता (आरवाईए), सोहित यादव (जन

जागरूकता अभियान), के के शुक्ला (ऑल इंडिया वर्कर्स काउंसिल) और शांतम निधि (आइसा) उपस्थित रहे। बैठक में कहा गया कि ईरान पर यह सैन्य हमला किसी एक घटना की प्रतिक्रिया नहीं है, बल्कि इसे व्यापक भू-राजनीतिक वर्चस्व की रणनीति के रूप में समझा जाना चाहिए। सुरक्षा, आतंकवाद-रोधी कार्रवाई या परमाणु प्रसार जैसे तर्कों का इतिहास बताता है कि इन्हें अक्सर ऊर्जा संसाधनों, सामरिक क्षेत्रों और व्यापार मार्गों पर नियंत्रण स्थापित करने के औजार के रूप में इस्तेमाल किया गया है।

फास्ट न्यूज

यूपी में शियाओं का प्रदर्शन, खुद को जंजीरों से मारा

लखनऊ। ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई की मौत से नाराज शिया समुदाय यूपी में सड़कों पर उतर आया है। लखनऊ में रविवार रात करीब एक लाख शिया समुदाय के लोगों ने प्रदर्शन किया। छोटा इमामबाड़ा में बड़ा इमामबाड़ा तक कैंडल मार्च निकाला। हाथों में खामेनेई का पोस्टर लेकर अमेरिका-इजराइल मुर्दाबाद के नारे लगाए। कई शहरों में अमेरिका का पुतला जलाया गया।

ट्रेन से कटकर मनिहारी की मौत

लखनऊ। लखनऊ में मड़ियाव थाना के भिटौली चौराहे के सामने सोमवार सुबह 9:00 बजे ट्रेन कटकर चूड़ीवाले की मौत हो गयी है। मृतक की पहचान 35 वर्षीय शोएब के तौर पर हुई है। जिसकी मौत कान में ब्लूटूथ लगाकर पटरी पार करने की वजह से हुई है। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि सोमवार की सुबह मृतक शोएब रेलवे क्रांसिंग पार कर रहा था। उसके कान में ब्लूटूथ डिवाइस लगा हुआ था, जिसके कारण वह ट्रेन की आवाज और लोगों की चेतावनी नहीं सुन सका। करीब 9 बजकर 30 मिनट पर गुजर रही आस्था ट्रेन ने कई बार हॉर्न भी बजाया। आसपास मौजूद लोगों ने चिल्लाकर उसे सावधान करने की कोशिश की और पत्थर भी फेंके, लेकिन तब तक देर हो चुकी थी।

कानपुर सेंट्रल पर यात्रियों से खचाखच भरी ट्रेनें

कानपुर। कानपुर में होली का त्योहार नजदीक आते ही रेलवे स्टेशन पर भारी भीड़ हो रही है। यात्री जमीन से लेकर टॉयलेट में बैठकर सफर कर रहे हैं। स्टेशन पर ट्रेन में चढ़ने के लिए यात्री जद्दोजहद कर रहे हैं। हालांकि रेलवे ने कानपुर से 61 होली स्पेशल ट्रेनें चलाई हैं। ये ट्रेनें कानपुर अनवरगंज, गोविंदपुरी होती हुई गुजरती हैं। रहे हैं। दिल्ली, गुजरात, मुंबई, राजस्थान से आने वाली ट्रेनों में भारी भीड़ चल रही हैं।

फर्जी नाम जोड़ने के लिए मजबूर किया जा रहा: अखिलेश यादव

बीएलओ पर गलत काम का दबाव

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश में बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) पर भारी दबाव और कथित अनियमितताओं का गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि बीएलओ पर न सिर्फ लगातार काम का दबाव है, बल्कि उनसे गलत तरीके से मतदाता सूची में नाम जोड़ने और हटाने के लिए भी मजबूर किया जा रहा है, जिससे वे मानसिक तनाव में आकर आत्महत्या जैसे गंभीर कदम उठाने को मजबूर हो रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशासनिक दबाव और अनुचित निर्देशों के चलते बीएलओ निराश और हताश हो रहे हैं, जो लोकतांत्रिक प्रक्रिया के लिए बेहद चिंताजनक है। अखिलेश यादव ने सभी बीएलओ से अपील करते हुए कहा कि वे किसी भी परिस्थिति में निराश या हताश न हों। उन्होंने कहा कि जीवन सबसे अनमोल है और परिवार के लिए उनकी भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है।

'फॉर्म 7' के बाद अब 'फॉर्म 6' से फर्जी नाम जोड़ने का दबाव

अखिलेश यादव ने कहा कि पहले बीएलओ पर 'फॉर्म 7' के जरिए सही मतदाताओं के नाम सूची से हटाने का दबाव बनाया जाता था, वहीं अब 'फॉर्म 6' के माध्यम से नए फर्जी नाम जोड़ने के लिए मजबूर किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अधिकांश बीएलओ का मन ऐसे गलत काम करने के लिए तैयार नहीं होता, जिसके कारण वे मानसिक रूप से टूट रहे हैं।

भाजपा सरकार पर लगाया संवेदनहीनता का आरोप

सपा अध्यक्ष ने भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि मौजूदा सरकार की नीतियों ने अधिकारियों को भी संवेदनहीन बना दिया है। उन्होंने कहा कि बेटी की शादी जैसे महत्वपूर्ण पारिवारिक अवसर के बावजूद छुट्टी न देना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और अमानवीय है। अखिलेश यादव ने कहा कि किसी भी कर्मचारी को इस तरह की परिस्थितियों में धकेलना उचित नहीं है और इसके लिए जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए।

फतेहपुर में बीएलओ की आत्महत्या का मामला उठाया

सपा प्रमुख ने उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले के बिंदकी क्षेत्र के ग्राम अलियाबाद में शिक्षामित्र और बीएलओ अखिलेश कुमार सविता की आत्महत्या के मामले का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने 'एसआईआर-2026 जीवनमुक्ति' शीर्षक से सुसाइड नोट लिखकर शनिवार शाम को प्राथमिक विद्यालय के एक कमरे में फांसी लगा ली।

अखिलेश यादव ने कहा कि आत्महत्या के पीछे मुख्य कारण एसआईआर से जुड़ा अत्यधिक दबाव और बेटी की शादी से पहले छुट्टी न मिलना बताया गया है। उन्होंने कहा कि इस तरह की घटनाएं प्रशासनिक संवेदनहीनता को दर्शाती हैं।

12 करोड़ हड़पने वाले की मां-पत्नी भी गिरफ्तार

लखनऊ में बीओबी बैंक मित्र रहते हुए आलीशान घर बनवाया

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में कई लोगों के साथ धोखाधड़ी कर उनका अकाउंट खाली करने वाले बैंक मित्र शिवा राव की मां और पत्नी भी गिरफ्तार हो गई हैं। पुलिस ने इन दोनों के साथ नौकर को भी हिरासत में लिया है। इनके खातों से 12 करोड़ रुपए के ट्रांजेक्शन मिले हैं। वहीं, शिवा ने अपना आलीशान घर बनवाने के साथ नौकर के लिए कार भी खरीदी थी। मामला पारा इलाके में शकुंतला विश्वविद्यालय कैंपस स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा का है। यहां कर्नाटक का रहने वाला शिवा राव बैंक मित्र के रूप में काम करता था। उसने लोगों को बैंक जाने के बजाय खुद के पास पैसे जमा कराए। उनकी FD की। बाद में जब मैच्योरिटी की डेट आई तो लोगों को न FD मिली और न ही उनके अकाउंट

में जमा लाखों रुपए। इसके बाद लोगों ने बैंक की ब्रांच में जमकर हंगामा किया। एक के बाद एक कई पीड़ित सामने आए जिन्होंने बैंक अधिकारियों पर भी धोखाधड़ी के आरोप लगाए। उनका कहना है कि उन्होंने न शिवा राव को पैसे दिए न ही ब्रांच में जमा किए। RTGS के जरिये जो रकम ट्रांसफर हुई, वह भी गायब हो गई है। कई लोगों ने बेटी की शादी के लिए पैसे इकट्ठा किए थे। ऐनवक्त पैसा न होने का पता चलने पर शादी की डेट टालनी पड़ी। शिवा राव को पुलिस ने फरवरी के पहले सप्ताह में गिरफ्तार कर लिया था। उसके अगले ही दिन उसके साथ साजिशकर्ता बैंक के पूर्व सिक्योरिटी गार्ड दीपक को भी गिरफ्तार कर लिया था। पुलिस के मुताबिक, शिवा 2015 से बैंक में कार्यरत था। वह किसी भी लैपटॉप या कंप्यूटर पर बैठकर काम करने लगता था और बैंक आने वाले हर ग्राहक से संपर्क साधता था। लोगों को झांसे में लेने के लिए वह उन्हें तरह-तरह की बचत योजनाएं बताता था। पुलिस ने करीब डेढ़ महीने बाद 1 मार्च को बैंक मित्र शिवा राव की मां कारा निर्मला, पत्नी भाग्यवती और उसके नौकर नरौना के विकास कुमार को गिरफ्तार कर लिया। जांच में सामने आया कि गिरफ्तार तीनों आरोपियों के खातों में करीब 12 करोड़ रुपए का ट्रांजेक्शन हुआ।

3 मार्च को दिखेगा साल 2026 का पहला पूर्ण चंद्र ग्रहण

लखनऊ में 'ब्लड मून' देखने का विशेष आयोजन

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। 3 मार्च 2026 की शाम आकाश में एक अत्यंत आकर्षक खगोलीय घटना घटित होगी। इस दिन वर्ष 2026 का पहला पूर्ण चंद्र ग्रहण दिखाई देगा। यदि मौसम साफ रहा तो भारत के अनेक भागों, लखनऊ सहित उत्तर भारत में, इसका अंतिम चरण देखा जा सकेगा। यह ग्रहण विशेष इसलिए भी है क्योंकि पूर्ण अवस्था में चंद्रमा लालिमा लिए दिखाई दे सकता है, जिसे आम भाषा में "ब्लड मून" कहा जाता है। इंदिरा गाँधी नक्षत्रशाला, लखनऊ द्वारा नक्षत्रशाला परिसर में जनसामान्य हेतु रात्रि आकाश दर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा । इस कार्यक्रम में नक्षत्रशाला द्वारा टेलिस्कोप के माध्यम से चंद्रग्रहण का अवलोकन जनसामान्य को करवाया

जायेगा । भारत के अधिकांश हिस्सों में चंद्रमा उस समय उदित होगा जब ग्रहण पहले से जारी रहेगा। लखनऊ में सूर्यास्त 18:08 बजे होगा, इसलिए चंद्रमा पूर्व दिशा में क्षितिज के पास दिखाई देगा। उस समय ग्रहण का पूर्ण चरण समाप्त हो चुका होगा। किन्तु आंशिक चरण जारी रहेगा। इस दौरान चंद्रमा हल्का धुंधला या लालिमा लिए दिखाई दे सकता है। लखनऊ से चंद्रग्रहण को देखने की अधिकतम संभावित अवधि लगभग 39 मिनट हो सकती है। इस विशेष कार्यक्रम को सायंकाल से रात्रि 19:00 बजे तक संचालित किया जायेगा । यह कार्यक्रम निःशुल्क होगा एवं उत्तर प्रदेश अमेच्योर एस्ट्रोनॉमर्स क्लब के द्वारा इस कार्यक्रम का आयोजन करवाया जायेगा । वास्तव में चंद्र ग्रहण तब होता है जब पृथ्वी सूर्य और चंद्रमा के बीच आ जाती है और पृथ्वी की छाया चंद्रमा पर पड़ती है। पूर्णिमा की रात यह घटना संभव होती है। जैसे-जैसे पृथ्वी की छाया चंद्रमा को ढकती है, चंद्रमा धीरे-धीरे धुंधला पड़ने लगता है और पूर्ण अवस्था में लाल या तांबे जैसा दिखाई दे सकता है। जब पृथ्वी सूर्य के प्रकाश को सीधे चंद्रमा तक पहुँचने से रोकती है, तब सूर्य का प्रकाश पृथ्वी के वायुमंडल से होकर मुड़ता और छनता हुआ चंद्रमा तक पहुँचता है।

व्यक्त : काशी में कहा- शंकराचार्य हमारे भगवान, अखिलेश से बड़ा ढोंगी नहीं देखा

गो-माता को खरोंच पहुंचाने की किसकी औकात : केशव

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। यूपी के डिप्टी सीएम केशव मौर्य ने काशी में शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद के प्रति श्रद्धा व्यक्त की। उन्होंने कहा कि शंकराचार्य का स्थान सर्वोपरि है। वे भगवान शंकराचार्य हैं। वे कहीं भी जाएंगे हम उनका स्वागत करेंगे। एक रामभक्त होने के नाते मैं खुद ही उनका अभिनंदन करने को तैयार हूं। शंकराचार्य के यूपी सरकार में गोहत्या के आरोपों पर भी डिप्टी सीएम ने जवाब दिया। उन्होंने कहा- यूपी में अब कानून का राज है। गो माता के प्रति देश-प्रदेश की सरकार आस्था रखती है। किसी भी अपराधी या हत्यारे की इतनी हैसियत नहीं कि वह गौ माता को नुकसान पहुंचा सके। सपा प्रमुख

अखिलेश यादव को केशव ने ढोंगी बताया। प्रयागराज के माघ मेले में बटुकों की चोटी खींचे जाने को लेकर बवाल हुआ था। इसके बाद से शंकराचार्य और सीएम योगी एक-दूसरे को लेकर हमलावर हैं। वहीं, इस पूरे मामले में शुरू से ही केशव मौर्य शंकराचार्य के पक्ष में बोलते रहे हैं। जबकि, शंकराचार्य ने सरकार में केशव को बिना पावर वाला कहा था। वो किसी भी तरह से चाहते हैं कि भारतीय संस्कृति को मानने वाले रामभक्त, कृष्णभक्तों का वोट मिल जाए। जो कि गिनाने के लिए हो जाए कि उनकी पार्टी को वोट मिले हैं। प्रयागराज माघ मेले में 18 जनवरी को मौनी अमावस्या के दिन शंकराचार्य और प्रशासन के बीच विवाद हुआ था। इसके 8 दिन बाद 24 जनवरी को जगद्गुरु रामभद्राचार्य के शिष्य आशुतोष महाराज ने पुलिस कमिश्नर से शिकायत की। इसमें माघ मेला-2026 और महाकुंभ-2025 के दौरान बच्चों से यौन शोषण के आरोप लगाए थे।

3. 2047 तक बनी रहेगी भाजपा की सरकार

आगामी चुनावों और भाजपा के भविष्य पर केशव मौर्य ने बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि विकास और सुशासन के दम पर 2047 तक भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी रहेगी। विपक्ष का कोई भी गठबंधन इसे नहीं डिगा पाएगा। भाजपा पूरी तरह से तैयार है। इसका विशाल परिणाम आने वाले दिनों में सभी को दिखेगा।

पृष्ठ 01 का शेष...

सुप्रीम लीडर...

यह बयान उन खबरों के जवाब में आया है, जिनमें कहा गया था कि ईरान ने अमेरिका से फिर से बातचीत शुरू करने की कोशिश की है। वहीं कुवैत ने सोमवार को गलती से 3 अमेरिकी फाइटरजेट्स को दुश्मन का विमान समझकर निशाना बनाया। हादसे में सभी अमेरिकी पायलट सुरक्षित हैं। अल-जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका और इजराइल ने मिलकर अब तक ईरान के 1000 से ज्यादा ठिकानों पर हमले किए हैं। इस दौरान शुरुआती 30 घंटे में 2000 से ज्यादा बम गिराए गए। इनमें अब तक 555 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 700 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। एक स्कूल पर मिसाइल गिरने से 180 छात्राओं की मौत हो गई और 45 घायल हैं। 28 फरवरी को शुरू हुई इस लड़ाई के पहले दिन हुई बमबारी में ईरानी सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई मारे गए थे। इसके अलावा रविवार को 3 अमेरिकी सैनिक मारे गए थे। हेगसेथ ने साफ किया कि अभियान की अवधि को लेकर अंतिम निर्णय राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के हाथ में है। उन्होंने यह भी कहा कि फिलहाल ईरान में अमेरिकी जमीनी सैनिक तैनात नहीं हैं, लेकिन इस संभावना को पूरी तरह खारिज नहीं किया जा सकता।

एआई जेनरेटेड...

कि ट्रायल कोर्ट एडवोकेट-कमिश्नर की रिपोर्ट के आधार पर आगे नहीं बढ़ेगा। और मामले की सुनवाई 10 मार्च तय की। इससे पहले 17 फरवरी को एक अलग मामले की सुनवाई करते हुए कोर्ट ने AI टूल्स से तैयार की गई पिटीशन फाइल करने के बढ़ते ट्रेंड पर गंभीर चिंता जताई थी।

FFFF FZ ¶FFFF IY FbFF`dNXF IYF UF ¶FFFFF : AdFF VFFWX

पार्टी सूत्रों ने कहा कि इस कैंपेन का टारगेट 1 करोड़ से ज्यादा सीधे नागरिकों से जुड़ना, बूथ-लेवल पर जुड़ाव और संगठनात्मक पहुंच को मज़बूत करना है। राज्य चुनाव आयोग ने कहा कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान मार्च के दूसरे हफ्ते में होने की संभावना है। चुनाव कितने फेज में होंगे, इस पर लगातार अंदाजा लगाया जा रहा है। अधिकारी ने कहा कि वोटिंग तीन फेज में हो सकती है। आयोग की पूरी बेंच पहले ही तमिलनाडु और असम का दौरा कर चुकी है, लेकिन अभी तक पश्चिम बंगाल का दौरा नहीं किया है। पश्चिम बंगाल में जारी स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) के बाद 28 फरवरी को फाइनल वोटर लिस्ट पब्लिश हो गई। इसमें वोटर 7.66 करोड़ से घटकर 7,04,59,284 रह गए हैं। यानी SIR से अब तक 63.66 लाख नाम हटे हैं, जो कुल मतदाताओं का 8.3% है। दिसंबर में जारी मसौदा सूची में 58 लाख से अधिक नाम हटे थे। CEO ने कहा- 60 लाख से ज्यादा वोटरों के नाम की जांच अभी भी जारी है। हालांकि उन्हें नई वोटर लिस्ट में जोड़ा गया है। बाद में इन नामों पर फैसले के बाद लिस्ट में बदलाव हो सकता है। 2021 चुनाव में 294 में 166 सीटों पर जीत का अंतर 25 हजार से कम था। इनमें टीएमसी ने 102, भाजपा ने 64 सीटें जीती थीं। 5,000 से कम अंतर वाली 36 सीटों में भाजपा 22, टीएमसी 13 जीती। ऐसे में एक-एक वोट अहम है। हालांकि 25 हजार से ज्यादा अंतर वाली 111 में 108, 50 हजार से ज्यादा अंतर वाली 43 सीटें टीएमसी जीती थी।

एआई समिट में ...

20 फरवरी को एआई समिट के स्थान पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तस्वीरों वाली सफेद टी-शर्ट पहनकर या हाथ में लेकर पहुंचे थे। इन टी-शर्ट्स पर इंडिया-यूएस ट्रेड डील, एपस्टीन फाइल्स और पीएम इज कम्प्रोमाइज्ड जैसे नारे लिखे थे। पुलिस ने आरोप लगाया कि वहां अंतरराष्ट्रीय मीडिया मौजूद थी और उसी दौरान नारेबाजी की गई। जब पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की तो पुलिसकर्मियों से धक्का-मुक्की हुई, जिससे कुछ पुलिसकर्मी घायल हुए। पुलिस का कहना है कि इसके मेडिकल सबूत भी मौजूद हैं। जमानत की मांग का विरोध करते हुए संविधान शांतिपूर्ण प्रदर्शन का अधिकार देता है, लेकिन यह कुछ शर्तों के साथ आता है। दिल्ली स्थित भारत मंडपम में इंडियन यूथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने 20 फरवरी को AI समिट 2026 में भारत-अमेरिका ट्रेड डील के खिलाफ प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने टी-शर्ट उतारकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ 'PM इज कॉम्प्रोमाइज्ड' के नारे लगाए। टी-शर्ट पर PM मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की फोटो लगी है। उस पर लिखा था- PM इज कॉम्प्रोमाइज्ड। दिल्ली पुलिस ने इनके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS) की गंभीर धाराओं के तहत FIR दर्ज की थी, जिनमें आपराधिक साजिश, पब्लिक सर्वेंट को चोट पहुंचाना, उन पर हमला करना और काम में बाधा डालना सहित कई गंभीर आरोप शामिल हैं। इंडियन यूथ कांग्रेस (IYC) के प्रेसिडेंट, उदय भानु चिब, और पूर्व नेशनल स्पोक्सपर्सन, भूदेव शर्मा को इस सिलसिले में 23 फरवरी को गिरफ्तार किया गया था। बाद में दोनों को दिल्ली की एक कोर्ट में पेश किया गया और पूछताछ के लिए पुलिस कस्टडी में भेज दिया गया। पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ ने ईरान के सुप्रीम लीडर अली खामेनेई की मौत पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि पाकिस्तान सरकार और जनता ईरानी लोगों के साथ उनके दुख की इस घड़ी में खड़े हैं। पाकिस्तानी संसद के सदस्यों ने भी खामेनेई को श्रद्धांजलि दी।

युद्ध पर भारत सरकार अपना रुख साफ करे

शांति के लिए कूटनीतिक प्रयास बताए: अखिलेश यादव

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। अखिलेश यादव ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ते युद्ध जैसे हालातों को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि किसी भी युद्ध में इंसानियत का नुकसान सबसे बड़ा होता है। उन्होंने कहा कि इंसान के साथ इंसानियत का मारा जाना बेहद दुखद और चिंताजनक है, इसलिए हर देश को जिम्मेदारी और संवेदनशीलता के साथ व्यवहार करना चाहिए। सपा प्रमुख ने भारत सरकार से इस गंभीर अंतरराष्ट्रीय मुद्दे पर अपना रुख स्पष्ट करने की मांग की। उन्होंने कहा कि सरकार को देश की जनता को बताना चाहिए कि वह युद्ध के पक्ष में है या शांति के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि भारत एक महत्वपूर्ण और तटस्थ देश के रूप में वैश्विक स्तर पर प्रभाव रखता है, इसलिए यह जानना जरूरी है कि सरकार युद्ध को रोकने और शांति बहाली के लिए कौन-कौन से कूटनीतिक प्रयास कर रही है। अखिलेश यादव ने कहा कि युद्ध के दौरान सबसे अधिक नुकसान आम नागरिकों को उठाना पड़ता है। ऐसे में सरकार की जिम्मेदारी है कि युद्ध में मारे गए लोगों से जुड़ी खबरों की पुष्टि कर सही जानकारी जनता तक पहुंचाए। उन्होंने कहा कि युद्ध के समय आने वाली खबरें कई बार रणनीति का हिस्सा होती हैं, इसलिए उनकी सत्यता की पुष्टि बेहद आवश्यक है, ताकि लोगों के सामने वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सके। अखिलेश यादव ने कहा कि किसी भी युद्ध का समाधान अंततः शांति और संवाद से ही निकलता है। उन्होंने सभी देशों से अपील की कि वे हिंसा के बजाय बातचीत और कूटनीति के जरिए समाधान तलाशें। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर शांति बनाए रखना और मानव जीवन की रक्षा करना सभी देशों की प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिए।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं है।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676